PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 293 ● भिलाई, बुधवार 03 जून 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

खड़गपुर के कांसाई नदी में डूबकर तीन किशोरों की मौत

मेदिनीपुर। जिले के खड़कपुर ग्रामीण थाना अंतर्गत कांसाई नदी में स्नान करने गए तीन किशोर गहरे पानी में डूब गए, जिससे उनकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, खड़गपुर से छह किशोर कांसाई नदी में नहाने पहुंचे थे। इनमें से तीन किशोर नदी में उतरे, जबकि अन्य तीन किनारे पर ही बैठे रहे। नहाने के दौरान अचानक तीनों किशोर नदी के गहरे हिस्से में चले गए और देखते ही देखते पानी में डूब गए। साथियों के शोर मचाने पर स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंची। नाव की मदद से तलाश अभियान चलाया गया। करीब सुबह दस बजे मातकातपुर इलाके के पास नदी से तीनों के शव बरामद किए गए। मृतकों की पहचान जेनिथ आचार्य उम्र (18) जो कि छोटा टंगरा वार्ड नंबर 28 के रहने वाले हैं, निखिल आचार्य उम्र (16) लाल झोली वार्ड नंबर 28 के रहने वाले हैं ।

कॉकरोच जनता पार्टी' उतरेगी सड़कों पर, 6 जून को भारत लौट रहे अभिजीत दीपके

नई दिल्ली। देश में नीट परीक्षा को लेकर मचे सियासी घमासान और छात्रों के आक्रोश के बीच अब सोशल मीडिया की जंग सीधे देश की राजधानी दिल्ली की सड़कों पर उतरने की तैयारी में है। सुप्रीम कोर्ट की एक टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर आंधी की तरह उभरी 'कॉकरोच जनता पार्टी'अब दिल्ली में एक बड़े और व्यापक आंदोलन का बिगुल फूंकने जा रही है। इस आंदोलन का नेतृत्व करने के लिए इसके संस्थापक और चर्चित सोशल मीडिया एक्टिविस्ट अभिजीत दीपके आगामी 6 जून को अमेरिका से भारत लौट रहे हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर अपने फॉलोअर्स से सीधे दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचने की अपील की है, जिसके बाद से ही खुफिया और सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। सोशल मीडिया से लेकर राजनीतिक गलियारों तक इस वक्त सबसे बड़ा सवाल यही तैर रहा है कि आखिर अभिजीत दीपके के अचानक भारत आने और इस कथित आंदोलन के पीछे का मुख्य एजेंडा क्या है? इसका खुलासा खुद अभिजीत ने अपने वीडियो में किया है।

हिंदी भाषियों की आवाज बुलंद करेंगे मंत्री अर्जुन सिंह व उमेश राय

कोलकाता। बंगाल की भाजपा सरकार में आज 35 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलावाकर सीएम शुभेंदु अधिकारी ने जहां कई क्षेत्रों में संतुलन बनाने की कोशिश की तो वहीं उन्होंने इस राज्य में दो हिंदी भाषियों विधायक अर्जुन सिंह व उमेश राय को मंत्री बनाकर हिंदीपट्टी के भाजपा के प्रति विश्वास का अभिनंदन किया है। बिहार के भोजपुर जिले के बड़हरा प्रखंड अंतर्गत केवटिया गांव के मूल निवासी अर्जुन सिंह को मंत्री बनाए जाने के समाचार से केवल उनके गांव में ही नहीं बरन बंगाल के हिंदी भषियों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

वेदांता ग्रुप पर ईडी का छापा

फाउंडर अनिल अग्रवाल के कई ठिकानों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई

नई दिल्ली/ एजेंसी

इस वक्त की बड़ी देश के औद्योगिक घराने से आई है। देश की प्रमुख बिजनेश कंपनी वेदांता ग्रुप पर ईडी ने छापा मारा है। ईडी ने वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल के कई ठिकानों पर ताबड़तोड़ रेड मारी है। यह कार्रवाई विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम यानी फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट एफईएमए से जुड़े एक मामले में की गई है, जिसकी जांच चल रही है। वेदांता के खिलाफ यह तलाशी सोमवार से ही जारी है। मामले या तलाशी के बारे में अभी तक कोई विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। कंपनी या ईडी की तरफ से आधिकारिक जवाब का इंतजार है। वेदांता के खिलाफ तलाशी अभियान तकेंद्रीय एजेंसी ने एफईएमए एक्ट के तहत इस मल्टीनेशनल माइनिंग कंपनी के खिलाफ जांच के दौरान शुरू की। वेदांता के खिलाफ यह जांच कंपनी अपने सिक्योर्ड लेनदारों से एक बड़े डीमर्जर प्लान के लिए मंजूरी मिलने के लगभग एक महीने बाद शुरू हुई है, जिसके तहत कंपनी को 5 स्वतंत्र कंपनियों में बांटा जाना है। बता दें कि फेमा अधिनियम का मुख्य उद्देश्य भारत में विदेशी मुद्रा के लेन-देन पर निगरानी रखना होता है। ईडी एफईएमए का इस्तेमाल उन मामलों की जांच के लिए करता है जहां उसे संदेह होता है कि किसी व्यक्ति या कंपनी ने विदेशी मुद्रा लेनदेन से संबंधित नियमों का उल्लंघन किया है। इसमें अधिकतर ऐसे मामले

शामिल होते हैं जैसे अवैध रूप से विदेश में धन हस्तांतरण करना, हवाला, विदेश में अवैध रूप से संपत्ति अर्जित करना, या विदेशी निवेश से संबंधित नियमों का पालन न करना। बता दें कि वेदांता ग्रुप का नाम पहले भी विदेशी मुद्रा मामलों में नियामक जांच के दायरे में आ चुका है। वर्ष 2004 में प्रवर्तन निदेशालय ने स्टरलाइट इंडस्ट्रीज और उसके तीन प्रमोटर निदेशकों को एफईआरए और फेमा के नियमों के उल्लंघन का दोषी पाया था और कंपनी तथा उसके निदेशकों पर जुर्माना लगाया था। वहीं अप्रैल 2026 में छत्तीसगढ़ के सक्ति में पावर प्लांट में बॉयलर फटने के मामले में वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल पर कई धाराओं में एफआईआर दर्ज किया गया था। सक्ती जिला स्थित वेदांता पावर प्लांट में 14 अप्रैल को हुए भीषण हादसे में 25 लोगों की मौत हो गई थी। हादसे में अनिल अग्रवाल के खिलाफ कई धाराओं में एफआईआर दर्ज किया गया है। जबकि पिछले महीने (मई 2026) बुर्ला सिंचाई प्रभाग ने ओडिशा में भेडेन नदी/नहर से बिना अनुमति के पानी निकालने के आरोप में वेदांता एल्युमीनियम पर ?233.11 करोड़ का जुर्माना लगाया था। वेदांता ग्रुप भारत की सबसे बड़ी प्राथमिक एल्युमिनियम उत्पादक कंपनी है। भारत की कुल जिंक जरूरत का लगभग 81त्न उत्पादन यही ग्रुप करता है।

सलीम डोला ड्रग्स केस में ईडी का एक्शन, मुंबई-गुजरात में 20 ठिकानों पर छापेमारी

अन्तर्राष्ट्रीय डॉन दाऊद इब्राहीम के करीबी और इंटरनेशनल ड्रग तस्कर सलीम इस्माइल डोला के 20 ठिकानों पर छह की बड़ी कार्रवाई चली. इंटरनेशनल ड्रग तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क के खिलाफबड़ी कार्रवाई करते हुए ईडी सलीम इस्माइल डोला के साथ उसके सहयोगियों के ठिकानों पर छापेमारी की कार्रवाई की गयी है. यह कार्रवाई मुंबई और गुजरात में कई जगहों पर की गयी है. ईडी के मुताबिक तुर्किये से भारत वापस लाए गए तस्कर मोहम्मद सलीम डोला के खिलाफमनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क मामले में यह छापेमारी चल रही है. जांच एजेंसियों के मुताबिक अभी हाल ही में तुर्की से भारत लाए गए सलीम डोला का संबंध अन्तर्राष्ट्रीय डॉन दाऊद इब्राहीम के नेटवर्क से भी रहा है और वह काफी समय से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नशीले पदार्थों के कारोबार में सक्रिय था.

महायुति में बढ़ी दरार!

देवेन्द्र फडणवीस की बैठक से एक नाथ शिंदे गायब रहे

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में विधान परिषद चुनावों की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। इससे पहले सत्ताधारी महायुति गठबंधन की अंदरूनी कलह अब खुलकर सामने आ गई है। इसके संकेत आज हुई कैबिनेट बैठक में देखने को मिले। राज्य के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने आज मंत्रालय में हुई कैबिनेट बैठक में हिस्सा नहीं लिया। ऐसे में शिंदे का मीटिंग से गायब रहना गठबंधन में बढ़ते असंतोष का साफसंकेत दे रहा है। सियासी गलियारों में चर्चा है कि एकनाथ शिंदे विधान परिषद की सीटों के बंटवारे और महायुति के भीतर बढ़ते विद्रोह को लेकर बेहद नाराज हैं। जानकारी के अनुसार एकनाथ शिंदे को तय कार्यक्रमों के मुताबिक मंगलवार को कैबिनेट बैठक आना था, लेकिन बैठक शुरू होने के बावजूद वे मंत्रालय नहीं पहुंचे। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में हुई।

अगले पांच दिन तक अंधड़, बारिश का अलर्ट

साप्ताहिक बाजार में गिरी आकाशीय बिजली,महिला की मौत,दस लोग झुलसे,एक की हालत गंभीर.....

दंतेवाड़ा। जिले के चंदेनार साप्ताहिक बाजार में मंगलवार को आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य लोग घायल हुए हैं। इनमें एक व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस हादसे के बाद बाजार में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना पर प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची ।जानकारी के अनुसार, चंदेनार साप्ताहिक बाजार में बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान अचानक मौसम खराब हुआ और तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरी। बिजली गिरते ही बाजार में अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। 11 लोग आकाशीय बिजली की चपेट में आए, जिसमें से एक महिला की

मौके पर ही मौत हो गई। वहीं एक व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि 9 अन्य लोगों को चोटें आई है। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। अधिकारियों ने घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। बता दें कि छत्तीसगढ़ में अगले पांच दिन तक अंधड़, बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना है। हालांकि, अगले 24 घंटों में तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होगा, लेकिन इसके बाद अधिकतम तापमान 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। इस बीच मरवाही वनमंडल के पिपरिया गांव से लगे जंगल में भीषण गर्मी और लू के कारण एक मादा भालू की मौत हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। अगर पिछले 24 घंटों के मौसम की बात करें तो प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई है। इसमें सबसे अधिक 30 मिलीमीटर बारिश गरियाबंद जिले में रिकॉर्ड हुई, जबकि सुकमा और सूरजपुर के रामानुजनगर में 20-20 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई।

कुशीनगर में गरजे सीएम योगी

यूपी में अब कट्टा नहीं,सीधे मिसाइल बनती है-योगी.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को कुशीनगर जनपद के तमकुहीराज क्षेत्र में पहुंचे, जहां उन्होंने जनपदवासियों को विकास की एक बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान कुल 424 करोड़ रुपये की लागत वाली 278 विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नए उत्तर प्रदेश में विकास के लिए पैसे की कोई कमी नहीं है और जनता के कल्याण के लिए प्रदेश के

खजाने का मुंह पूरी तरह खुला हुआ है। उन्होंने कहा कि आज राज्य में परिवारवाद की राजनीति को खत्म कर केवल विकास और रोजगार पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। जनसभा में कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर बोलते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने चिरपरिचित अंदाज में विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के समय सूबे में कट्टा और बम बनाए जाते थे, जिससे केवल दंगे और बेरोजगारी फैलती थी। लेकिन आज का नया उत्तर प्रदेश बदल चुका है, अब यहाँ अवैध कट्टे नहीं बल्कि डिफेंस कॉरिडोर में सीधे मिसाइलें बनती हैं, जिसे दागने पर पड़ोसी देश पाकिस्तान भी थर-थर कांपता है। उन्होंने कहा कि पहले प्रदेश में कोई भी पर्व-त्योहार बिना दंगों के नहीं मनता था, लेकिन आज अपराधियों में खौफ के चलते कोई दंगा करने की सोच भी नहीं सकता।

पंजाब के अमृतसर में तेजधार हथियारों से हमलाकर शिक्षक की हत्या

चंडीगढ़। पंजाब में अमृतसर जिले के जंडियाला गुरु क्षेत्र में एक शिक्षक की तेजधार हथियारों से हमलाकर हत्या कर दी गई। यह घटना उस समय हुई, जब वह अपनी बेटी को ट्यूशन क्लास छोड़कर घर लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार, जगदीप सिंह गहरी मंडी स्कूल में शिक्षक थे। जब जगदीप सिंह अपनी बेटी को ट्यूशन छोड़कर वापस घर लौट रहे थे, तभी रास्ते में कुछ अज्ञात हमलावरों ने उन पर हमला कर दिया। हमलावरों ने उनके सिर और गर्दन पर तेजधार हथियारों से कई वार किए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई।

सड़क पर उतरीं ममता बनर्जी

सुवेंदु पर बोला हमला,मुझे गिरफ्तार कर लो-ममता....

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने के बाद से ही टीएमसी नेता और कार्यकर्ताओं पर एक-एक करके कई हमलों के बाद बंगाल की सियासत गरमा गई है। भड़की हुई दीदी यानी बंगाल की पूर्व सीएम और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने सड़कों पर उतरने का फैसला कर लिया है। ममता दीदी ने कहा कि भले ही मुझे गिरफ्तार कर लो लेकिन मै जनता के बीच बैठूंगी ही..दरअसल बंगाल में करारी हार के बाद ममता बनर्जी का पहला

बड़ा शक्ति प्रदर्शन कोलकाता के ऐतिहासिक रानी रासमणि एवेन्यू पर शुरू हो गया है। यहां ममता बनर्जी टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी और सांसद कल्याण बनर्जी सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं पर हुए हालिया हमलों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए धरने पर बैठ गई है। धरना स्थल पर पहुंचने से पहले ममता ने भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और अपने हाथों में भारत के संविधान की एक प्रति लेकर मार्च किया। उन्होंने सीधे तौर पर नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी पर लोकतांत्रिक अधिकारों के हनन का आरोप लगाया है। ममता बनर्जी ने हुंकार भरते हुए कहा कि टीएमसी के नेताओं को डराकर या उनके सुरक्षा कवच को हटाकर पार्टी को कमजोर नहीं किया जा सकता।

सुशासन तिहार में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय पहुंचे बीजापुर के सुदूर गांव कोण्डापल्ली

मुख्यमंत्री ने हितग्राहियों को वितरित किए विभिन्न योजनाओं के लाभ

- सुशासन का संदेश लेकर गांव-गांव पहुंच रही सरकार, योजनाओं की जमीनी हकीकत जानने स्वयं पहुंचे मुख्यमंत्री

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज बीजापुर जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र स्थित ग्राम कोण्डापल्ली पहुंचे। मुख्यमंत्री ने यहां आयोजित जनचौपाल में ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं, योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति जानी तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से मुलाकात कर उनके जीवन में आए सकारात्मक बदलावों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुशासन तिहार केवल एक प्रशासनिक अभियान नहीं, बल्कि सरकार और जनता के बीच विश्वास को और मजबूत करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और किसी भी जरूरतमंद को अपने अधिकारों एवं सुविधाओं के लिए भटकना न पड़े। इसी भावना के साथ सरकार स्वयं गांव-गांव पहुंचकर लोगों की समस्याएं सुन रही है और उनके समाधान का प्रयास कर रही है।

जनचौपाल के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया तथा हितग्राहियों को वनाधिकार मान्यता पत्र, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, प्रधानमंत्री आवास योजना, श्रम कार्ड, किसान हितग्राही योजनाओं सहित विभिन्न योजनाओं के तहत लाभ वितरित किए। उन्होंने लाभार्थियों से चर्चा कर योजनाओं के प्रभाव और उनके अनुभवों की जानकारी भी प्राप्त की। मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों से प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी योजना की वास्तविक सफलता तब मानी जाएगी जब उसका लाभ पात्र व्यक्ति तक सही समय पर पहुंचे और आमजन को शासन की संवेदनशीलता का अनुभव हो। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है तथा क्षेत्र के विकास में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर सहित प्रदेश के दूरस्थ और वनांचल क्षेत्रों में विकास की नई धारा पहुंचाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

सीएम साय ने अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण के दिए निर्देश

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीण क्षेत्रों से प्राप्त आवेदनों और समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी है जब जरूरतमंद व्यक्ति तक समय पर उसका लाभ पहुंचे। जनचौपाल में ग्रामीणों ने सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका से जुड़े विषयों पर अपनी बात रखी। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। सुदूर और नक्सल प्रभावित क्षेत्र के इस गांव में मुख्यमंत्री की उपस्थिति को लेकर ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखा गया।

आर्थिक विकास के बिना भारत का समग्र विकास संभव नहीं: शिरोमणि माथुर

दल्लीराजहरा। पूर्व प्रधानमंत्रियो ने आधुनिक भारत के औद्योगिक विकास का जो स्वप्न देखा था, उसमें देश के खनिज एवं औद्योगिक क्षेत्रों की महत्वपूर्ण भूमिका थी। उनका मानना था कि आर्थिक विकास के बिना भारत का समग्र विकास संभव नहीं है। इसी सोच के परिणामस्वरूप देश में औद्योगिक क्रांति का श्रीगणेश हुआ और राउरकेला, दुर्गापुर, बोकारो तथा भिलाई इस्पात संयंत्र जैसे विशाल इस्पात संयंत्र स्थापित किये गये। इस संबंध में छत्तीसगढ़ रत्न शिरोमणि माथुर ने कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र के लिए लौह अयस्क की आपूर्ति मुख्यतः दल्ली राजहरा समूह की खदानों कोकान, राजहरा, कोड़ेकसा, झरन दल्ली, मयूरपानी, महामाया, आरी डोंगरी और दुलकी से की जाती रही है। संयंत्र हेतु जलापूर्ति भी राजहरा जलाशय, बोइरडीह, हितकसा, तांदुला, गोंदली और खरखरा जैसे बांधों एवं जलाशयों से होती है, जो इसी आदिवासी अंचल में स्थित हैं। माथुर ने कहा कि यह क्षेत्र वर्षों से अपने वन, जल, भूमि और खनिज संसाधनों का अपूरणीय त्याग करता आया है। बदले में इसे औद्योगिक दुष्प्रभावों ध्वनि प्रदूषण, जल प्रदूषण, सिल्टिंग, वन विनाश और पर्यावरणीय क्षति का बोझ उठाना पड़ा। खदानों से उड़ती धूल ने नालों और जलस्रोतों को प्रदूषित कर दिया है, जिससे खेती, जलवायु और लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ा है।

प्रकृति की अनुपम देन — दल्ली राजहरा-मथुर का कहना है कि राजहरा को प्रकृति ने मुक्त हाथों से संवारा है। चारों ओर फैले सागौन, साजा एवं अन्य वृक्षों के विशाल वन, औषधीय पौधों की संपदा और मीठे पानी के कल-कल करते झरने इस क्षेत्र को अद्वितीय बनाते हैं। झरन दल्ली नाम अपने आप में इस प्राकृतिक वैभव की पहचान है। ऊँची-नीची पहाड़ियाँ, अथाह खनिज संपदा, रंग-बिरंगे पत्थर, सफेद, लाल और पीली छुई मिट्टी की खदानें इस क्षेत्र को समृद्ध बनाती है। यहाँ केवल लौह अयस्क ही नहीं, बल्कि यूरेनियम और अन्य बहुमूल्य खनिज भी पाए जाते हैं। राजहरा के समीप स्थित महामाया क्षेत्र प्रकृति और अध्यात्म का अदभुत संगम है। पहाड़ी पर विराजमान माँ महामाया देवी का मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। माता के चरणों से निकलने वाले त्रिवेणी स्वरूप तीन झरनों का मीठा जल आज भी लोगों को आश्चर्यचकित करता है, क्योंकि तीनों जलधाराओं का स्वाद अलग-अलग है। सदियों पुरानी महामाया देवी एवं गणेश जी की मूर्तियाँ यहाँ की ऐतिहासिक और आध्यात्मिक विरासत की साक्षी हैं।

प्रेम, भाईचारा और गंगा-जमुनी संस्कृति की मिसाल -दल्ली राजहरा केवल खनिज संपदा के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी सामाजिक एकता और भाईचारे के लिए भी जाना जाता है। देश के विभिन्न राज्यों से आये लोग यहाँ वर्षों से प्रेम और सौहार्द के साथ रहते आये हैं। चाहे 1984 के सिख विरोधी दंगे रहे हों या 1992 के बाद की तनावपूर्ण परिस्थितियाँ – राजहरा सदैव शांत रहा। यहाँ मंदिर, मस्जिद, चर्च, गुरुद्वारा, बौद्ध विहार और प्रजापिता ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय के केंद्र सभी एक साथ सामाजिक समरसता का संदेश देते हैं। यही अपनापन लोगों को राजहरा से भावनात्मक रूप से जोड़े रखता है।

विकास की जगह उपेक्षा-करोड़ों रुपये की खनिज रॉयल्टी देने वाला यह क्षेत्र आज शासकीय उपेक्षा का शिकार है। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का गंभीर अभाव यहाँ के लोगों को पलायन के लिए मजबूर कर रहा है। बी.एस.पी. की कमाओ और समेटो नीति तथा नई नियुक्तियों के अभाव में टाउनशिप के अनेक क्वार्टर खंडहर बन चुके हैं। कोण्डे, पावरहाउस, पंडर दल्ली और 256 क्षेत्र तेजी से खाली होते जा रहे हैं। डैम साइड, बोइरडीह और झरन नाला जैसे क्षेत्र उजाड़ हो चुके हैं। जो डैम कभी पानी से लबालब भरे रहते थे, वे अब खदानों की मिट्टी और धूल से पट चुके हैं। नगर के झरने धीरे-धीरे समाप्त हो रहे हैं। महामाया मार्ग और पुराना बाजार धूल के गुबार से प्रभावित हैं। नागरिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं। बी.एस.पी. द्वारा संचालित अधिकांश शिक्षण संस्थान बंद कर दिये गये हैं। अस्पतालों की स्थिति भी चिंताजनक है, जहाँ गंभीर मरीजों को भिलाई रेफर करना मजबूरी बन चुकी है।

खेल, शिक्षा और रोजगार पर संकट-राजहरा ने देश को अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ी, कलाकार और युवा दिये हैं, परंतु सुविधाओं के अभाव में नई पीढ़ी निराश होकर पलायन कर रही है। खेल सुविधाएँ समाप्तप्राय है और युवाओं को रोजगार के अवसर नहीं मिल रहे। एकमात्र शासकीय नेमीचंद जैन कॉलेज अपनी बदहाली के लिए चर्चित है। तकनीकी शिक्षण संस्थानों और उच्च स्तरीय चिकित्सालयों का अभाव इस क्षेत्र की सबसे बड़ी विडंबना है।

पर्यटन की अपार संभावनाएँ-यदि शासन इच्छाशक्ति दिखाये तो दल्ली राजहरा और महामाया क्षेत्र को छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित किया जा सकता है। प्राकृतिक झरने, पहाड़ियाँ, खनिज संपदा, धार्मिक स्थल और शांत वातावरण इसे अद्वितीय बनाते हैं। परंतु दुर्भाग्य यह है कि करोड़ों रुपये की रॉयल्टी देने के बावजूद क्षेत्र विकास के लिए पर्याप्त राशि खर्च नहीं की जाती। यहाँ तक कि सड़क मरम्मत के लिए भी लोगों को आंदोलन और भूख हड़ताल करनी पड़ती है।

भूमि खरीद पर प्रतिबंध भी विकास में बाधा-डौंडी ब्लॉक में सामान्य वर्ग के लोगों द्वारा आवासीय भूमि की खरीद-बिक्री पर लगी पाबंदी भी क्षेत्र के विकास में बड़ी बाधा है। बी.एस.पी. एवं रेलवे के सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारी यहाँ बसना चाहते हैं, परंतु भूमि संबंधी प्रतिबंधों के कारण वे न तो यहाँ स्थायी रूप से बस पाते हैं और न ही व्यापार स्थापित कर पाते हैं। राजहरा को बचाने और पुनः विकसित करने के लिए निम्न कदम अत्यंत आवश्यक हैं – बी.एस.पी. अस्पताल का आधुनिक सुविधाओं सहित उन्नयन। खनिज रॉयल्टी का कम से कम एक-तिहाई हिस्सा स्थानीय विकास पर खर्च। उच्च शिक्षण एवं तकनीकी संस्थानों की स्थापना। खेल सुविधाओं और रोजगार के अवसरों का विस्तार। पर्यटन विकास हेतु विशेष योजना। पर्यावरण संरक्षण एवं झरनों के पुनर्जीवन के प्रयास। भूमि खरीद संबंधी नीतियों में व्यवहारिक सुधार। राजनीति से ऊपर उठकर सामूहिक विकास की भावना।

राजहरा केवल एक नगर नहीं — एक भावना है-राजहरा की मिट्टी, यहाँ का पानी, यहाँ का अपनापन और यहाँ की गंगा-जमुनी संस्कृति लोगों के हृदय में बसती है। यहाँ पूरा भारत बसता है। यह क्षेत्र केवल खनिजों का भंडार नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, प्रकृति और मानवीय मूल्यों की जीवंत मिसाल है। आवश्यकता है कि शासन, प्रशासन, बी.एस.पी. प्रबंधन और समाज मिलकर राजहरा को बचाने के लिए गंभीर प्रयास करें, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ भी इस पावन धरा की पहचान और गौरव को महसूस कर सके।

रेलवे इंस्टिट्यूट दल्ली राजहरा का समर कैंप सीजन 4 का रंगारंग कार्यक्रम का हुआ समापन

दल्लीराजहरा। रेलवे इंस्टिट्यूट दल्ली राजहरा का समर कैंप सीजन 4 का रंगारंग कार्यक्रम का समापन हुआ। यह समर कैंप रेलवे डीएमआर के निर्देशन में प्रमुख प्रशिक्षक स्टीफन एडवर्ड के नेतृत्व में नगर के विभिन्न प्रशिक्षकों के द्वारा निःशुल्क प्रशिक्षण से रेलवे इंस्टिट्यूट के द्वारा चौथा वर्ष यह आयोजन किया गया था। सभा में विशेष अतिथि के रूप में प्रशांत बोडके, सचिव रेलवे मजदूर कांग्रेस, सीएलआई, कुशल सिंह, मोहित राम साहू, इंस्टीट्यूट सचिव, टी. रमना राव, डीटीआई, एचके साहू, मुख्य स्टेशन प्रबंधक दल्लीराजहरा जी.के.आर्या, स्टेशन प्रबंधक कुसुमकसा लक्ष्मी नारायण साहू, समाजसेवी तरुण चंद्र, प्रवीण शर्मा, सुजीत झा, संतोष कुमार साहू (मेडिटेशन टीचर), रेलवे फार्मासिस्ट चांदना, बादल तिवारी उपस्थित थे। सभी ने अपना उद्बोधन दिया तथा प्रमुख रूप से एक ही बात कही कि सच्चे मन और लगन के साथ आप लोग अपने भविष्य के लक्ष्य निर्धारित कर परिश्रम करें जितना परिश्रम आप करेंगे आपका भविष्य उतना ही उज्जवल

होगा। आकर्षण का केंद्र दुर्घटना में शारीरिक रूप से कमजोर हुए छोटा बालक व्हील चेयर में मोहम्मद अराज खान जो बच्चों के साथ कैंप में उपस्थित थे। उनकी उत्सुकता को देख कर उनको भी पुरस्कृत किया गया। ट्रेनर रहे बबलू दर्रो, घनसिंह ध्रुव, प्रवीण साहू, अजमेर सिंह, संतोष कुमार साहू (मेडिटेशन टीचर) खेमवाती साहू, एडवर्ड स्टीफेंस इन सभी को निःशुल्क प्रशिक्षण के लिए सम्मानित किया गया। समर कैंप में उपस्थित प्रशिक्षार्थियों को विभिन्न कैटेगरी में पुरस्कृत किए गए जिनमें से हैं फिटनेस शशांक साहू, गोपाल यादव, परमेश, अभिषेक, कुशल, अंशिता, दिशा भास्कर, श्रुति पाठक, सारिका पटेल, यशिका भगत, पूर्विका साहू, रिद्धि,काजल, वेदांश, खिलेंद्र, पल्लव, तानिया, सौजन्या, इशू कुमार, अभिलव, पायल। किड्स गेम देवांश ठाकुर, तृप्ति शर्मा, नीतिका। खो-खोअंश चौबे, अनीश भोयार इशिका भगत, दिव्यानी देवांगन, नवीन। क्रिकेट विदित सिंह, अनमोल, कुणाल, पार्थ कुकरेजा, गोपी, दिव्यांश भगत, यशवंत बख्शी। ड्राइंग ए ग्रुप शरणाया, प्रज्वला, अर्णव। बी ग्रुप वर्तिका साहू, नव्या साहू, सौजन्या। सी ग्रुप गरिमा सिंगरोल, दिव्यांश नगेसी, सारिका पटेल। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता प्रकृति खोबरागडे, यश जायसवाल, शशांक साहू। गणित विदित सिंह, दिशा भास्कर, लक्ष्य नागवंशी।

बोर्ड परीक्षा 80% से ऊपर लाने वाले प्रतिभाओं को भी किया गया सम्मानित-इस वर्ष बोर्ड परीक्षा में 80% से अधिक अंक लाने वाले छत्तीसगढ़ राज्य परीक्षा मंडल एवं सीबीएसई में परीक्षार्थियों को भी सम्मानित किया गया है जिनमें से हैं समीना हुसैन, आयुष साहू, घनलक्ष्मी, यश जायसवाल, दीपांशु नागवंशी, हर्षाली मंडावी, नमन साहू, आरोही सहारे। मेडिटेशन अदिति शर्मा, खुशी घाटा, शारदा साहू। फुटबॉल राहुल प्रजापति, मयंक यादव, दीपांशु, लक्ष्य। कबड्डी गरिमा, रश्मि, दीपिका जैन, लावण्या, मानसी, मयंक महाला, मानक चौबे, दिव्यांश साहू, सन्नी, घनश्याम। एंटरटेनमेंट समीक्षा दामले, पल्लव, मृदुल, अरविक, एकलव्य। बेस्ट ऐथलीट के पुष्पा, कुमकुम शरणागत, इशिका भगत। अनुशासन तथा स्वच्छता के पुष्पा, माही पिपरे, यशवंत बख्शी, प्रकृति खोबरागडे, कामिनी महिलाएगे। नियमित हाजरी व समय कृतिका साहू, आलिया, खुशी घाटा, यशिका ठाकुर, रिंधि मेश्राम, मेघा दर्रो, समीना हुसैन, अनम हुसैन, काशवी, सीएच पूर्वी, पूर्विका साहू, मुकुल साहू, पिनू शर्मा, बारूनी, वेदांशः सोनकर, सचिन गुप्ता, प्रत्यूष, परमेश। इन सब के अलावा सभी ट्रेनरों को भी पुरस्कृत किया गया। आपको बता दें कि नगर का यह समर कैंप कई मायने में सर्वश्रेष्ठ समर कैंप साबित होता है। जिसमें प्रमुख रूप से तो यह है कि इतने विशाल रूप में यह एकमात्र आयोजन है। जहां पूरे 30 दिन तक छोटे-छोटे नन्हे मुन्ने बच्चों को खेल की बारीकियां जिसमें कबड्डी खो-खो फुटबॉल क्रिकेट के साथ छोटे बच्चों को फिजिकल एक्सरसाइज फिजिकल गेम कई प्रकार के खेल सिखाई गई साथ ही पेंटिंग वाटर गेम सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता भी इस समर कैंप में आयोजित की गई थी। समर कैंप में आने वाले लड़कियों के लिए विशेष तौर पर गुड टच बेड टच की जानकारी भी दी गई यहां पढ़ने वाले बच्चों को विशेष ध्यान रखते हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं परीक्षा में किस तरह से भाग लेकर अच्छे से अच्छे अंक प्राप्त कर सके इसके लिए विशेष ट्रेनिंग भी प्रशिक्षकों के द्वारा दिया गया।

विधायक ने सादगीपूर्ण आदर्श विवाह प्रेरणादायी उदाहरण किया प्रस्तुतः शर्मा

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्यमंत्री कन्या विवाह कार्यक्रम में शामिल होने बेमेतरा पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने विधायक दीपेश साहू एवं अन्य 24 नवविवाहित जोड़ों को शुभाशीष प्रदान करते हुए उनके सुखद, समृद्ध एवं मंगलमय वैवाहिक जीवन की कामना की। पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा एवं रायपुर शहर जिला प्रभारी राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बेमेतरा प्रवास के दौरान सुशासन तिहार एवं मुख्यमंत्री कन्या विवाह कार्यक्रम में सहभागिता कर जिले को अनेक महत्वपूर्ण सौगातें प्रदान की हैं। मुख्यमंत्री के आगमन से क्षेत्र के आमजन, किसान, मजदूर, युवा एवं महिला वर्ग में विशेष उत्साह और खुशी का वातावरण देखने को मिला। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनकल्याण एवं विकास के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री का बेमेतरा आगमन जिले के विकास को

नई गति देने वाला सिद्ध होगा तथा शासन की जनहितकारी योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। राजेन्द्र शर्मा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का बेमेतरा आगमन पर स्वागत एवं आभार व्यक्त करते हुए उनके नेतृत्व में प्रदेश के सर्वांगीण विकास की कामना की। रायपुर शहर जिला प्रभारी एवं भाजपा बेमेतरा के पूर्व जिलाध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा ने बेमेतरा विधायक दीपेश साहू को उनके विवाह के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। शर्मा ने कहा कि विधायक दीपेश साहू ने सादगीपूर्ण एवं आदर्श विवाह कर समाज के समक्ष एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनका यह कदम सामाजिक समरसता, सादगी और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने वाला है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा ऐसे अनुकरणीय कार्य समाज को सकारात्मक दिशा देने का कार्य करते हैं।

पोरथा गांव में अखिल विश्व गायत्री परिवार प्रज्ञा पीठ ने नशा मुक्ति को लेकर निकाली जन जागरूकता रैली

सक्ती। नशा मुक्ति जन जागरण रैली -ग्राम पोरथा में अखिल विश्व गायत्री परिवार प्रज्ञा पीठ सक्ति के निर्देशनमें 31मई 2026रविवार को सायं 5बजे नशा मुक्ति जन जागरण रैली ग्राम के गली मुहल्ले में भ्रमण करते हुए गायत्री मंदिर प्रांगण स्कूल पारा में एक सभा में परिवर्तित हो गई. सभा का शुभारम्भ माँ गायत्री के पूजन अर्चन से प्रारम्भ हुआ. महिला स्व सहायता समूह की अध्यक्षा श्री मति मालती सोनी ने नशा के दुष्प्रभाव पर गीत प्रस्तुत की. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संपर्क प्रमुख विनोद यादव जी ने नशा को समाज का जहर निरुपित करते हुए युवाओ को किसी भी प्रकार का नशा नहीं लेने के लिए प्रेरित किये. पूंजी राम चौहान ने नशा मुक्ति पर कविता प्रस्तुत किये. गायत्री परिवार सक्ति

के जिला समन्वयक भगत राम साहू जी ने शराब, तम्बाकू, गुटखा सेवन से होने वाली बीमारियों के बारे में विस्तार से चर्चा किये. नशा स्वास्थ्य के लिए हानिकारक तो है ही यह समाज में अपराध भ्रष्टाचार को भी बढ़ावा देता है. सभा का सफल संचालन महेश राम साहू जी ने किये. नशा मुक्ति जन जागरण अभियान को सफल बनाने मे श्री रामनाम कीर्तन मण्डली, कल्याणी सेवा समिति, महिला स्व सहायता समूह, दुर्गा बाल विकास समिति, सरस्वती शिशु मंदिर,सरपंच ग्राम पंचायत, जनपद सदस्य राजू राठौर, परिजन गायत्री परिवार, सभी राजनीतक दल एवं सभी ग्राम वासियो स्नेह भरा सहयोग मिला. आयोजन समिति सभी का आभार ज्ञापित करती है।

जनगणना 2027 का प्रथम चरण बेमेतरा जिले में सफलतापूर्वक सम्पन्न

1828 अधिकारियों-कर्मचारियों ने निभाई जिम्मेदारी, नागरिकों के सहयोग से पूरा हुआ राष्ट्रीय महत्व का कार्य

बेमेतरा। जनगणना 2027 के अंतर्गत प्रथम चरण (फेज-1) मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य बेमेतरा जिले में सफलतापूर्वक एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया है। यह राष्ट्रीय महत्व का अभियान केवल जनसंख्या संबंधी आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि देश एवं राज्य के भावी विकास की मजबूत आधारशिला तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जनगणना के माध्यम से विभिन्न वर्गों तक विकास और कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच तथा उनकी प्रभावशीलता का आकलन किया जाता है। भारत सरकार द्वारा संचालित जनगणना 2027 का कार्य छत्तीसगढ़ राज्य में दो चरणों में संपादित किया जा रहा है। प्रथम चरण के अंतर्गत मकानसूचीकरण एवं मकानों की गणना का फील्ड कार्य 1 मई 2026 से प्रारंभ होकर 30 मई 2026 को पूर्ण हुआ। वहीं द्वितीय चरण के अंतर्गत जनसंख्या गणना का कार्य फरवरी 2027 में किया जाएगा। प्रथम चरण के दौरान संकलित जानकारी आगामी जनसंख्या गणना के लिए आधार तैयार करेगी, जिससे कोई भी मकान अथवा परिवार गणना से वंचित न रह जाए।

मोबाइल एप के माध्यम से जुटाई गई जानकारी-प्रथम चरण के दौरान प्रगणकों ने जिले के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में घर-घर जाकर प्रत्येक मकान एवं उसमें निवासरत परिवारों से जानकारी संकलित की। भारत सरकार द्वारा अधिसूचित 33 प्रश्नों के आधार पर मकानों की स्थिति, उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं तथा परिसंपत्तियों से संबंधित जानकारी मोबाइल एप के माध्यम से एकत्र की गई। संकलित समस्त जानकारी भारत सरकार के सर्वर में सुरक्षित रूप से संग्रहीत कर ली गई है।

जिले में बनाए गए 1542 गणना ब्लॉक-बेमेतरा जिले में जनगणना 2027 के प्रथम चरण का कार्य 11 नगरीय निकायों तथा 9 तहसीलों में संपादित किया गया। कार्य के सुचारू संचालन के लिए जिले में 9 ग्रामीण चार्ज एवं 11 नगरीय चार्ज बनाए गए थे। इन चार्जों के अंतर्गत कुल 1542 मकानसूचीकरण गणना ब्लॉकों का गठन किया गया था।

1828 अधिकारियों एवं कर्मचारियों की रही महत्वपूर्ण भूमिका-जनगणना कार्य के सफल संचालन हेतु जिले में कुल 1828 अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी। इनमें 3 जिला स्तरीय अधिकारी, 31 चार्ज अधिकारी, 2 मास्टर ट्रेनर, 34 फील्ड ट्रेनर, 1495 प्रगणक तथा 263 पर्यवेक्षक शामिल रहे। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने समन्वित प्रयासों से इस महत्वपूर्ण कार्य को सफलतापूर्वक संपादित किया।

जनगणना संबंधी जानकारी पूर्णतः गोपनीय-प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नागरिकों द्वारा उपलब्ध कराई गई व्यक्तिगत जानकारी को जनगणना अधिनियम 1948 एवं जनगणना नियमावली 1990 के प्रावधानों के तहत पूर्णतः गोपनीय रखा जाएगा। इन आंकड़ों का उपयोग केवल नीति निर्माण, विकास योजनाओं के क्रियान्वयन तथा जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के लिए किया जाएगा। संपूर्ण जनगणना प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद भारत सरकार द्वारा निर्धारित समय पर आंकड़े जारी किए जाएंगे।

नागरिकों के सहयोग के लिए आभार-निदेशक जनगणना कार्य, छत्तीसगढ़ ने जनगणना 2027 के प्रथम चरण के सफल संपादन पर राज्य के सभी नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि नागरिकों के सक्रिय सहयोग के कारण यह कार्य सुचारू रूप से संपन्न हो सका। साथ ही आशा व्यक्त की गई है कि फरवरी 2027 में आयोजित होने वाले जनगणना 2027 के द्वितीय चरण में भी नागरिक इसी प्रकार सहयोग प्रदान करेंगे, जिससे इस राष्ट्रीय अभियान को सअल बनाया जा सके।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना से बेटियों को मिल रहा सम्मान और सुरक्षा : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

मुख्यमंत्री ने नवदंपतियों को दिया आशीर्वाद, बेमेतरा में नर्सिंग कॉलेज की घोषणा, बैलगाड़ी में निकली बारात, 21 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

बेमेतरा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बेमेतरा में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होकर नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया। सामाजिक परंपराओं, वैदिक रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक उल्लास के बीच आयोजित इस समारोह में जिले के 21 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। शुभ मुहूर्त में वर-वधुओं ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सात फेरे लेकर सात जन्मों तक साथ निभाने का संकल्प लिया।इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने बेमेतरा जिले को एक महत्वपूर्ण सौगात देते हुए नर्सिंग कॉलेज की स्थापना की घोषणा भी की, जिससे जिले में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र को नई दिशा मिलेगी।

नवदंपतियों को मिला शासन की योजनाओं का लाभ

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत नवविवाहित जोड़ों को शासन द्वारा निर्धारित उपहार सामग्री एवं आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने भी नवदंपतियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना समाज के लिए वरदान

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना समाज के आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि इस योजना की शुरुआत पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में हुई थी, जिसका उद्देश्य बेटियों के विवाह को सम्मानजनक और सरल बनाना था। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले बेटियों के विवाह को लेकर परिवारों को आर्थिक चिंताओं का सामना करना पड़ता था, लेकिन इस योजना ने हजारों परिवारों को राहत प्रदान की है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने योजना के अंतर्गत दी जाने वाली सहायता राशि को बढ़ाकर 50 हजार रुपये कर दिया है, जिससे पात्र परिवारों को और अधिक सहयोग प्राप्त हो सके।

बेटियों के सम्मान और सुरक्षा के लिए सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। बेटियां परिवार, समाज और राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना भी इसी सोच का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो जरूरतमंद परिवारों को सामाजिक एवं आर्थिक संबल प्रदान करती है।

विधायक दीपेश साहू ने प्रस्तुत किया सामाजिक समरसता का आदर्श

मुख्यमंत्री ने बेमेतरा विधायक दीपेश साहू की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने सामूहिक विवाह समारोह में स्वयं विवाह कर समाज के सामने एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह पहल युवाओं को सादगीपूर्ण विवाह, सामाजिक समरसता और अनावश्यक खर्चों में कमी लाने का सकारात्मक संदेश देती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे उदाहरण समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने और सामाजिक समानता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बारिश को बताया शुभ संकेत

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि किसी भी शुभ कार्य के दौरान वर्षा होना इंद्रदेव के आशीर्वाद का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने कहा कि आयोजन भी प्रकृति के आशीर्वाद से संपन्न हुआ है, जो नवदंपतियों के सुखद और समृद्ध भविष्य का शुभ संकेत है।

बैलगाड़ी में निकली बारात बनी आकर्षण का केंद्र

समारोह का एक प्रमुख आकर्षण पारंपरिक बैलगाड़ी में निकाली गई बारात रही। जनप्रतिनिधियों, स्थानीय नागरिकों और परिजनों ने उत्साहपूर्वक इसमें भाग लिया। पारंपरिक वाद्ययंत्रों, लोक-सांस्कृतिक माहौल और जनसहभागिता ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की। इस आयोजन ने ग्रामीण संस्कृति और सामाजिक परंपराओं की सुंदर झलक प्रस्तुत की।

मौसम परिवर्तन के बीच पुराने रेस्ट हाउस में संपन्न हुआ आशीर्वाद समारोह

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम मूल रूप से बेसिक स्कूल ग्राउंड में आयोजित होना था, लेकिन शाम के समय मौसम खराब होने और तेज बारिश की संभावना को देखते हुए नवविवाहित जोड़ों एवं उनके परिजनों की सुविधा और सुरक्षा के मद्देनजर आशीर्वाद समारोह को पुराने रेस्ट हाउस परिसर में स्थानांतरित किया गया। यहां मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वयं उपस्थित होकर नवदंपतियों से आत्मीय मुलाकात की तथा उन्हें सुखद, समृद्ध एवं मंगलमय वैवाहिक जीवन के लिए शुभाशीष प्रदान किया।

सामूहिक विवाह सामाजिक एकता और समरसता का प्रतीक

मुख्यमंत्री ने कहा कि सामूहिक विवाह जैसे आयोजन सामाजिक एकता, सद्भाव और समरसता के प्रतीक हैं। ऐसे आयोजनों से अनावश्यक सामाजिक व्यय में कमी आती है तथा समाज में समानता और सहयोग की भावना मजबूत होती है। उन्होंने सभी नवदंपतियों से अपने वैवाहिक जीवन को प्रेम, विश्वास, सहयोग, संस्कार और आपसी सम्मान के आधार पर आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों की रही गरिमामयी उपस्थिति

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री अरुण साव, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, मंत्री दयाल दास बघेल, मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, सांसद संतोष पाण्डेय, सांसद विजय बघेल, साजा विधायक ईश्वर साहू, पंडरिया विधायक भावना बोहरा, धरसींवा विधायक अनुज शर्मा, राजिम विधायक रोहित साहू, अमलपुर विधायक इन्द्र कुमार साहू, बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, बसना विधायक संपत अग्रवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, नवदंपतियों के परिजन एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

पुरानी रंजिश में युवक की चाकू मारकर हत्या

रायपुर। राजधानी रायपुर के मंदिर हसौद थाना क्षेत्र अंतर्गत पलौद गांव में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद पूरे गांव में तनाव का माहौल है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है तथा एहतियात के तौर पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। जानकारी के अनुसार, ठड़ियापारा पलौद निवासी सरस्वती भारती ने मंदिर हसौद थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में बताया गया कि रात करीब 9 बजे उनके पुत्र तोषक भारती पर गांव के करण ध्रुव और विधि से संघर्षरत एक बालक ने हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच काफी समय से विवाद चल रहा था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतक को उसकी बहन और एक बालक के बीच बातचीत को लेकर आपत्ति थी, जिसके कारण दोनों पक्षों में तनाव बना हुआ था। घटना वाले दिन विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने तोषक भारती पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची और घायल युवक को उपचार के लिए शासकीय अस्पताल आरंग भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मंदिर हसौद थाना पुलिस ने मामले में अपराध क्रमांक 248/26 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने नामजद संदेही करण ध्रुव एवं विधि से संघर्षरत एक बालक के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। इधर, युवक की मौत की खबर फैलते ही ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। कुछ अज्ञात लोगों द्वारा संदेहियों के घर और एक पुरानी स्कूटी में तोड़फोड़ किए जाने की भी जानकारी सामने आई है। इस मामले में भी पुलिस अलग से जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। गांव में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत और तनाव का माहौल है, जबकि मृतक के परिजन आरोपियों के खिलाफकड़ी कार्रवाई और न्याय की मांग कर रहे हैं। यह संस्करण अखबार, पोर्टल या न्यूज वेबसाइट में सीधे प्रकाशित किया जा सकता है।

24 घंटे में हत्या की गुत्थी सुलझी, दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर के थाना गंज क्षेत्र में युवक की हत्या के मामले का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया कि पुरानी रंजिश और लेन-देन के विवाद के चलते आरोपियों ने युवक पर धारदार हथियार से हमला किया था, जिससे उसकी मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, 28 मई 2026 की रात करीब 12:30 बजे आशीष गरुड पर धारदार हथियार से हमला किया गया था। गंभीर रूप से घायल आशीष को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी हालत बिगड़ने पर मेकाहारा अस्पताल में मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले को हत्या में परिवर्तित कर जांच तेज कर दी। जांच के दौरान पुलिस ने मृतक के परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ की। इस दौरान पता चला कि घटना से पहले आशीष गरुड को राज नायक के साथ देखा गया था। पुलिस ने संदेह के आधार पर राज नायक और उसके साथी प्रकाश सोना उर्फटेरा की गतिविधियों पर नजर रखी। मामले की जांच के लिए थाना गंज पुलिस, एसीसीयू रायपुर क्राइम ब्रांच, थाना गुढ़ियारी और रामनगर चौकी की संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने तेलघानी नाका, रेलवे स्टेशन सहित आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। जांच में आरोपियों की मौजूदगी और घटना के बाद उनके फरार होने के साक्ष्य मिले। पुलिस पूछताछ में दोनों आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। आरोपियों ने बताया कि मृतक के साथ पुराने लेन-देन को लेकर विवाद चल रहा था। विवाद बढ़ने पर राज नायक ने धारदार हथियार से हमला कर दिया और दोनों आरोपी साइकिल से मौके से फरार हो गए।

ट्रैन की फॉल्स सीलिंग मे छिपाकर हो रही थी गांजे की तस्करी

रायपुर। जीआरपी रायगढ़ ने नशे के कारोबारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए हीराकुंड एक्सप्रेस से करीब 10 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। तस्करों ने गांजे को ट्रेन के एसी कोच के बाथरूम में बनी फॉल्स सीलिंग के अंदर छिपाकर रखा था। हालांकि पुलिस कार्रवाई की भनक लगते ही आरोपी फरार हो गए, जिनकी तलाश जारी है। जानकारी के अनुसार, जीआरपी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ट्रेन संख्या 20807 अप हीराकुंड एक्सप्रेस के जरिए उड़ीसा से गांजे की तस्करी की जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने रायगढ़ रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पहुंचते ही घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया। तलाशी के दौरान एसी कोच एम-1 के बाथरूम की फॉल्स सीलिंग में छिपाकर रखे गए गांजे के पैकेट बरामद हुए। पुलिस ने सीलिंग खोलकर करीब 10 किलो गांजा जब्त किया, जिसकी अनुमानित कीमत 5 लाख रुपये बताई जा रही है। जीआरपी ने अज्ञात तस्करों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुटी हुई है। रेलवे मार्ग से हो रही मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के लिए जीआरपी द्वारा लगातार निगरानी और विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नशे के अवैध कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

गांव में चाकू लहराकर फैला रहा था दहशत, बस्तर पुलिस ने पहुंचाया जेल

रायपुर। हाथ में धारदार चाकू लेकर गांव में लोगों को डराने-धमकाने वाले युवक की दबंगई बस्तर पुलिस के सामने ज्यादा देर नहीं टिक सकी। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया, उसके कब्जे से चाकू बरामद किया और आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस कार्रवाई से गांव में फैली दहशत का माहौल खत्म हो गया और लोगों ने राहत की सांस ली। मामला थाना करपावंड क्षेत्र के ग्राम चिउरगाव का है, जहांपुलिस को सूचना मिली कि संतोष कुमार मंडल पिता कमल किशोर मंडल, उम्र 28 वर्ष, निवासी ग्राम चिउरगाव, थाना करपावंड, हाथ में धारदार चाकू लेकर गांव में घूम रहा है और आम लोगों को डरा-धमका रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक बस्तर शलभ कुमार सिन्हा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक माहेश्वर नाग तथा एसडीओपी भानपुरी प्रवीण भारती के मार्गदर्शन में तत्काल कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए। थाना प्रभारी निरीक्षक शिवानंद सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर मौके पर रवाना किया गया।

सुशासन तिहार के तहत मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय पहुँचे अबूझमाड़ के गारपा, जन चौपाल में ग्रामीणों से किया सीधा संवाद

विकास से वंचित रहे क्षेत्र में अब विकास की नई गाथा लिख रही-साय

- विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान और बस्तर के सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज सुशासन तिहार के अंतर्गत नारायणपुर जिले के ओरछा विकासखंड स्थित अबूझमाड़ अंचल की ग्राम पंचायत गारपा में आयोजित जन चौपाल में पहुँचकर ग्रामीणों से आत्मीय संवाद किया। मुख्यमंत्री के आगमन पर ग्रामीणों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों एवं उत्साह के साथ उनका भव्य स्वागत किया। जन चौपाल में मुख्यमंत्री ने क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनीं, विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता दोहराई। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुशासन तिहार शासन और जनता के बीच सीधे संवाद का सशक्त माध्यम है। इसका उद्देश्य शासन की योजनाओं को धरातल तक पहुँचाना तथा लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र लंबे समय तक नक्सल हिंसा से प्रभावित रहा, जिसके कारण यहां विकास कार्य वर्षों तक बाधित रहे। लेकिन अब परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं और अबूझमाड़ सहित पूरे बस्तर क्षेत्र में विकास के नए अध्याय लिखे जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बस्तर और आदिवासी अंचलों के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह भी अनेक बार बस्तर का दौरा कर क्षेत्र के विकास एवं शांति स्थापना के प्रयासों की लगातार समीक्षा कर चुके

हैं। राज्य सरकार विशेष पिछड़ी जनजातियों के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए विशेष योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जनमन योजना के क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की मंशा है कि दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में भी सड़क, पुल-पुलिया, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और संचार जैसी मूलभूत सुविधाएं तेजी से पहुंचें। गारपा सहित आसपास के क्षेत्रों में सड़क एवं पुल-पुलिया निर्माण के कार्य तेजी से संचालित किए जा रहे हैं, जिससे लोगों का जीवन सुगम होगा और विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए धन और संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी तथा सभी आवश्यक कार्य प्राथमिकता के साथ पूर्ण किए जाएंगे। जन चौपाल के दौरान मुख्यमंत्री ने महतारी वंदन योजना की हितग्राही महिलाओं से चर्चा की। महिलाओं ने बताया कि योजना से प्राप्त राशि का उपयोग वे घरेलू जरूरतों की पूर्ति के साथ-साथ अपनी बेटियों के भविष्य के लिए सुकन्या समृद्धि खातों में जमा कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सकारात्मक पहल बताते हुए महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से कृषि एवं आजीविका संबंधी विषयों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए सिंचाई सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा तथा पशुपालन और बकरी पालन जैसी गतिविधियों को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाया जाएगा। साथ ही वनोपज संग्राहकों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने ग्रामीणों को रामलला दर्शन योजना, अटल डिजिटल सेवा, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, मुख्यमंत्री बस सेवा, मनरेगा जॉब कार्ड, लखपति दीदी योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी।

सुशासन तिहार बना किसानों कोमल के लिए ज्ञान और आत्मविश्वास का मंच....

- आधुनिक खेती की जानकारी से बदली सोच, अब वैज्ञानिक खेती की ओर बढ़ रहे किसान

रायपुर/ संवाददाता

सुशासन तिहार केवल जनसमस्याओं के समाधान का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि यह ग्रामीणों और किसानों के लिए सीख, जागरूकता और आत्मविश्वास का प्रभावी मंच बनकर उभर रहा है। प्रदेशभर में आयोजित समाधान शिविरों के माध्यम से किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, उन्नत खाद प्रबंधन और जैविक खेती की जानकारी दी जा रही है, जिससे वे खेती को अधिक लाभकारी बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। बलरामपुर जिले के रामानुजगंज शिविर में ग्राम तेतरडीह के कृषक श्री कोमल सिंह भी ऐसे ही किसानों में शामिल हैं, जिनके लिए सुशासन तिहार नई उम्मीद लेकर आया। लगभग साढ़े तीन एकड़ कृषि भूमि में धान, मक्का, मूंगफली, उड़द और अरहर की खेती करने वाले कोमल सिंह अब पारंपरिक खेती के साथ आधुनिक तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित हुए हैं। उन्होंने एग्रीस्टैक में पंजीयन कराया है, जिससे उन्हें विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में सुविधा मिल रही है। वे कृषक उन्नति योजना और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि

योजना से भी लाभान्वित हो रहे हैं। सुशासन तिहार के दौरान आयोजित शिविर में कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को नैनो डीएपी, नैनो यूरिया, जैविक खेती, मृदा संरक्षण और कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने के तरीकों की विस्तार से जानकारी दी। इन तकनीकों के बारे में जानकर श्री कोमल सिंह का आत्मविश्वास बढ़ा है और अब वे अपनी खेती में नवाचार अपनाने की तैयारी कर रहे हैं। श्री कोमल सिंह बताते हैं कि पहले उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकों की सीमित जानकारी थी, लेकिन शिविर में मिली मार्गदर्शन ने उनकी सोच बदल दी। अब वे वैज्ञानिक और जैविक खेती के जरिए उत्पादन बढ़ाने के साथ आय में भी वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार ने किसानों को केवल योजनाओं की जानकारी ही नहीं दी, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और जागरूक बनने की नई प्रेरणा भी दी है। उनके अनुसार, ऐसे जनसमस्या निवारण शिविर ग्रामीण किसानों को नई तकनीकों से जोड़ने और खेती को लाभकारी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

दहशत का अंधेरा हटा,तो गोगुण्डा के ग्रामीणों को मिली स्वास्थ्य की रोशनी

- सुकमा की बदलती तस्वीर को बयां करता है स्वास्थ्य सेवाओं का यह विस्तार : श्री श्याम बिहारी जायसवाल

रायपुर/ संवाददाता

सुकमा जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की साझा प्रतिबद्धता से सुकमा जिले के सुदूर और कभी नक्सल प्रभावित रहे गोगुण्डा गांव में उम्मीद का एक नया सवेरा हुआ है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय सुकमा ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। गोगुण्डा के 10 मोतियाबिंद मरीजों का सफल ऑपरेशन किया गया। इस सफल सर्जरी के जरिए इन ग्रामीणों के जीवन के अंधेरे को दूर कर उन्हें नई दृष्टि का अनमोल उपहार दिया गया है। यह पूरी प्रक्रिया स्वास्थ्य विभाग की संवेदनशीलता और सुव्यवस्थित कार्यप्रणाली का बेहतरीन उदाहरण है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें खुद दुर्गम गांवों में पहुंचकर घर-घर सर्वे कर रही हैं और मोतियाबिंद के मरीजों की पहचान कर रही हैं। इसके बाद, मरीजों को पूरे सम्मान के साथ विशेष वाहनों से जिला चिकित्सालय लाया जाता है, जहाँ विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में उनका निःशुल्क इलाज होता है। ऑपरेशन के बाद भी मरीजों को डॉक्टरों की सख्त निगरानी में रखा जाता है और पूरी तरह स्वस्थ होने पर रविवार को उन्हें सकुशल उनके घरों तक वापस पहुँचाया गया। स्वस्थ बस्तर के इस अभियान में केवल इलाज ही नहीं, बल्कि हितग्राहियों के सम्मान और आत्मीयता का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है। अस्पताल से छुट्टी के दौरान मरीजों का उत्साहवर्धन करने के लिए उन्हें फल वितरित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही, डिस्चार्ज हुए मरीजों और उनके परिजनों को प्रेरित किया गया कि वे अपने आस-पड़ोस के अन्य मोतियाबिंद पीड़ितों को भी इलाज के लिए जिला चिकित्सालय लाएँ। यह भावुक अपील अब एक जन-जागरूकता अभियान का रूप ले रही है, ताकि कोई भी जरूरतमंद इलाज से वंचित न रहे। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि कभी विकास की मुख्यधारा से कटे इन सुदूर ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं का यह विस्तार सुकमा की बदलती तस्वीर को बयां करता है। नक्सल गतिविधियों में आई भारी कमी के बाद, अब शासन की कल्याणकारी योजनाएं और बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं सीधे गांव-गांव तक बिना किसी बाधा के पहुँच रही हैं।

स्व-सहायता समूह से जुड़कर धनेश्वरी ने खोला कृषि केंद्र और फोटोकापी सेंटर...

- लाखों की आय अर्जित कर बनीं लखपति दीदी, महिलाओं के लिए प्रेरणा

रायपुर/ संवाददाता

शासन की आजीविका संवर्धन योजनाएं ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। इसी कड़ी में मुंगेली जिले के लोरमी विकासखंड के ग्राम राम्हेपुर की निवासी श्रीमती धनेश्वरी जायसवाल अपने गांव की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई है। कभी सीमित संसाधनों के बीच जीवनयापन करने वाली धनेश्वरी आज स्वावलंबन की नई पहचान

बन चुकी हैं। धनेश्वरी जायसवाल जय मां गायत्री महिला स्व-सहायता समूह से सक्रिय रूप से जुड़ी हैं। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें नियमित आर्थिक गतिविधियों में भागीदारी का अवसर मिला, जिससे उनकी आय में निरंतर वृद्धि हुई। वर्तमान में उन्हें समूह के माध्यम से प्रतिमाह लगभग 06 हजार रुपये की आय प्राप्त हो रही है। समूह के माध्यम से उन्हें 15 हजार रुपये की चक्रीय निधि तथा 60 हजार रुपये का सामुदायिक निवेश कोष प्राप्त हुआ। इस सहायता राशि का उपयोग उन्होंने स्वरोजगार की दिशा में किया और गांव में फोटोकॉपी एवं स्टेशनरी दुकान की शुरुआत की। व्यवसाय में सफलता मिलने के बाद उन्होंने आगे बढ़ते हुए 03 लाख रुपये का ऋण प्राप्त कर कृषि केंद्र की स्थापना की। धनेश्वरी की मेहनत और लगन का परिणाम है कि आज उनके कृषि केंद्र से उन्हें लगभग 04 लाख रुपये से अधिक की आय प्राप्त हो चुकी है। इससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि परिवार का जीवन स्तर भी बेहतर हुआ है। अब वे आत्मविश्वास के साथ अपने व्यवसाय का संचालन कर रही हैं और अन्य महिलाओं को भी स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

तालाब पाटकर आरकेएम पावरजेन रेलवे ट्रैक बना रहा, कलेक्टर के संज्ञान के बाद कार्रवाई के निर्देश

रायपुर। आरकेएम पावरजेन लिमिटेड पावर प्लांट की दबंगई सामने आई है, जिसमें उसके द्वारा शासकीय/निजी तालाब को मिट्टी डालकर पाटा जा रहा है,, प्लांट द्वारा कोयला परिवहन के लिए रेलवे ट्रैक बनाया जा रहा है, इसके लिए निमोही ग्राम में लोहार तालाब को आधे से ज्यादा मिट्टी से पाटा दिया गया है,,! मिशल पत्रका के अनुसार नीजी जमीन बताया जा रहा हैं वर्तमान रिकार्ड मे देखा जाय तो तलाब अंकीत है ! प्लांट के ठेकेदारों ने पंप के माध्यम से तालाब का पानी भी निकाल लिया है,, जबकि तालाब से गाय बैल पानी पीते थे,, पूर्व में जमीन निजी अंकित है जबकि वर्तमान में तालाब रिकॉर्ड है।

शासकीय योजनाओं का लाभ हर पात्र परिवार तक पहुंच

प्रशासन संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ करे कार्य-मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

- सुकमा में तीन जिलों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक : विकास कार्यों, कानून-व्यवस्था, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और जनकल्याणकारी योजनाओं की हुई व्यापक समीक्षा

रायपुर/ संवाददाता

शासन-प्रशासन की वास्तविक सफलता तभी है, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और आम नागरिक को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए भटकना न पड़े। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सुकमा जिला कलेक्टोरेट के सभाकक्ष में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में सुकमा, दंतेवाड़ा और बीजापुर जिलों के कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के साथ विकास योजनाओं, कानून-व्यवस्था, राजस्व मामलों, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, आधारभूत अधोसंरचना और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बस्तर संभाग के दूरस्थ एवं संवेदनशील क्षेत्रों सहित प्रत्येक गांव और प्रत्येक पात्र परिवार तक शासकीय योजनाओं का लाभ शत-प्रतिशत पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। राज्य सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनके माध्यम से लोगों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाना है। बैठक में वन मंत्री श्री केदार कश्यप, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव श्री रजत बंसल, बस्तर कमिश्नर श्री डोमन सिंह, सीसीएफ श्री आलोक कुमार तिवारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे, जबकि अन्य अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

के माध्यम से जुड़े। मुख्यमंत्री श्री साय ने बस्तर मुन्ने अभियान तथा मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की नियमित और प्रभावी पहुंच सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि शिविर आधारित सेवाओं के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं का अधिकतम निराकरण किया जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर दो से तीन दिन तक लगातार शिविर आयोजित कर समाधान सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण उपचार और भरोसेमंद सेवाओं का वास्तविक अनुभव होना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने राजस्व विभाग के कार्यों को विशेष प्राथमिकता देने के निर्देश देते हुए कहा कि नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा और अभिलेख सुधार जैसे प्रकरण सीधे नागरिकों के अधिकारों और जीवन से जुड़े होते हैं, इसलिए इनमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने समय-सीमा से बाहर तथा एक वर्ष से अधिक समय से लंबित मामलों के त्वरित निराकरण के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। बैठक में स्वामित्व योजना, वन अधिकार पट्टा वितरण, पुनर्वासित परिवारों को शासकीय योजनाओं का लाभ, तथा अन्य राज्यों में रह रहे बस्तर मूल के परिवारों के पुनर्स्थापन पर भी विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने महिला स्व-सहायता समूहों को वनोपज आधारित गतिविधियों के साथ झींगा पालन, बकरी पालन, मधुमक्खी पालन जैसे कृषि आधारित उद्यमों से जोड़ने पर विशेष बल दिया। उन्होंने शबरी नदी क्षेत्र के तालाबों को विकसित कर झींगा पालन की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए तथा महिला समूहों के उत्पादों को बस्तर ब्रांड के रूप में विकसित कर बाजार से जोड़ने की बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला समूह केवल आर्थिक इकाइयां नहीं, बल्कि ग्रामीण आत्मनिर्भरता और सामाजिक परिवर्तन की सशक्त धुरी बन सकती हैं।

संपादकीय

पश्चिम एशिया संकट के बीच क्वाड बैठक पर टिकी थी दुनिया की नजरें

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच फिलहाल युद्धविराम जारी है, लेकिन होर्मुज जलमार्ग को खुलवाने के लिए अमेरिका के प्रयास अभी तक नाकाम रहे हैं।पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से गहरा रहे वैश्विक संकट के बीच क्वाड देशों की महत्त्वपूर्ण बैठक होने जा रही है। खास बात यह है कि भारत की मेजबानी में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में यह बैठक होगी। खबरों के मुताबिक, इस बैठक में हिंद-प्रशांत क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर विचार-विमर्श के अलावा विश्व भर में पैदा हुए ऊर्जा संकट से निपटने के उपायों पर भी मंथन किया जाएगा।इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन दौरे को लेकर भी यह उम्मीद जताई जा रही थी कि पश्चिम एशिया में शांति बहाली का कोई रास्ता निकलेगा, मगर दोनों देशों के राष्ट्रध्यक्षों की वार्ता के नतीजे में ऐसा कुछ नजर नहीं आया।क्वाड में शामिल देशों में से भारत पर इस वैश्विक संकट का मौजूदा परिस्थितियों में सबसे ज्यादा असर दिख रहा है। चूंकि वर्तमान में भारत क्वाड की अध्यक्षता कर रहा है, इसलिए यह उम्मीद है कि इस बैठक में ऊर्जा संकट का मसला प्रमुखता से रखा जाएगा। यह इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि क्वाड में अमेरिका भी शामिल है और ईरान के साथ उसके और इजरायल के संघर्ष से ही संकट की यह स्थिति उत्पन्न हुई है।क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक 26 मई को होगी और अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शनिवार को भारत पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं, विशेषकर रक्षा, व्यापार, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया। साथ ही पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी चर्चा की गई।अब सबकी नजरें क्वाड की बैठक पर टिकी हैं कि उसमें किन मुद्दों पर प्रमुखता से चर्चा की जाएगी। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच फिलहाल युद्धविराम जारी है, लेकिन होर्मुज जलमार्ग को खुलवाने के लिए अमेरिका के प्रयास अभी तक नाकाम रहे हैं। इसके बजाय होर्मुज के आसपास अमेरिका की नाकेबंदी से स्थिति और जटिल हो गई है।दोनों देश अपनी-अपनी शर्तों पर अड़े हैं, जिस कारण शांति वार्ता के मार्ग पर अनिश्चितता की बर्फ जम गई है। यही वजह है कि वैश्विक स्तर पर ऊर्जा समेत अन्य आवश्यक वस्तुओं की कमी का संकट लगातार गहराता जा रहा है।पश्चिम एशिया में संघर्ष से उपजे वैश्विक संकट का भारत पर कितना असर हुआ है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में दस दिनों से भी कम समय में शनिवार को तीसरी बार बढ़ोतरी की गई। पेट्रोल के दाम में 87 पैसे प्रति लीटर, जबकि डीजल में 91 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि की गई है। सीएनजी की कीमत में भी एक रुपए प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी हुई है।जाहिर है कि ईंधन के दामों में इजाफे से आने वाले दिनों में रोजमर्रा के इस्तेमाल की वस्तुएं भी महंगी होंगी। कुल मिलाकर इस संकट की सबसे ज्यादा मार आमजन पर ही पड़ेगी। इसलिए जरूरी है कि क्वाड की बैठक में इस मसले को प्रमुखता से रखा जाए और संकट का स्थायी समाधान तलाशने की कोशिश की जाए।इस संगठन में भारत, अमेरिका के अलावा आस्ट्रेलिया और जापान शामिल हैं और यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करने वाले एक प्रमुख समूह के रूप में उभरा है।

देखा जाये तो पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका की विदेश नीति में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। ट्रंप प्रशासन के दौरान 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति ने सहयोगी देशों में असहजता पैदा की। कई देशों को लगा कि वॉशिंगटन अब भरोसेमंद साथी नहीं रहा। लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। चीन की आर्थिक और सैन्य ताकत जिस तेजी से बढ़ी है, उसने अमेरिका को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि एशिया में उसका प्रभाव बनाए रखने के लिए भारत जैसी लोकतांत्रिक और उभरती शक्ति के साथ मजबूत रिश्ते जरूरी हैं। दरअसल, चीन केवल व्यापारिक प्रतिस्पर्धी नहीं रहा।

ट्रंप को समझ आ गया कि चीन का मुकाबला अकेले नहीं, भारत के साथ मिलकर किया जा सकता है

(नीरज कुमार दुबे)

देखा जाये तो पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका की विदेश नीति में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। ट्रंप प्रशासन के दौरान 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति ने सहयोगी देशों में असहजता पैदा की। कई देशों को लगा कि वॉशिंगटन अब भरोसेमंद साथी नहीं रहा। लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। चीन की आर्थिक और सैन्य ताकत जिस तेजी से बढ़ी है, उसने अमेरिका को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि एशिया में उसका प्रभाव बनाए रखने के लिए भारत जैसी लोकतांत्रिक और उभरती शक्ति के साथ मजबूत रिश्ते जरूरी हैं।

दरअसल, चीन केवल व्यापारिक प्रतिस्पर्धी नहीं रहा। वह अब वैश्विक सप्लाई चेन, तकनीक, रक्षा उत्पादन और सामरिक निवेश के जरिए दुनिया पर अपना प्रभाव बढ़ा रहा है। दक्षिण चीन सागर से लेकर ताइवान तक, बीजिंग का आक्रामक रवैया अमेरिका के लिए चुनौती बन चुका है। ऐसे में भारत अमेरिका के लिए एक स्वाभाविक विकल्प बनकर उभरा है। भारत एक ऐसा देश है जिसकी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, जिसके पास विशाल बाजार है और जो लोकतांत्रिक मूल्यों की बात करता है।

अमेरिका यह भी समझ चुका है कि केवल सैन्य शक्ति से चीन को रोका नहीं जा सकता। इसके लिए आर्थिक नेटवर्क, तकनीकी साझेदारी और भरोसेमंद औद्योगिक ढांचा जरूरी है। यही कारण है कि सेमीकंडक्टर, रक्षा निर्माण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्रिटिकल मिनरल्स और डिजिटल टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में भारत के साथ साझेदारी बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

उधर, भारत के लिए भी यह अवसर कम महत्वपूर्ण नहीं है। लंबे समय तक भारत ने गुटनिरपेक्ष नीति और रणनीतिक स्वायत्तता को प्राथमिकता दी। लेकिन अब नई दिल्ली समझ रही है कि वैश्विक शक्ति संतुलन में सक्रिय भूमिका निभाए बिना अपने हित सुरक्षित नहीं रखे जा सकते। यही वजह है कि भारत क्वाड जैसे मंचों में सक्रिय है और अमेरिका, जापान तथा ऑस्ट्रेलिया के साथ सहयोग बढ़ा रहा है। हालांकि, भारत की चुनौती यह है कि वह अमेरिका के साथ नजदीकी बढ़ाते हुए अपनी स्वतंत्र विदेश नीति भी बनाए रखे। रूस के साथ रक्षा संबंध हों या पश्चिम एशिया में संतुलन, भारत किसी एक खेमे में पूरी तरह शामिल होने से बचता रहा है। यही उसकी सबसे बड़ी कूटनीतिक ताकत भी है।

एक चीज और उभर कर आ रही है कि अमेरिका को अब भारत के साथ

संबंधों में सिर्फ रणनीतिक भाषा नहीं, बल्कि व्यावहारिक निवेश की भी जरूरत है। अगर वॉशिंगटन वास्तव में चीन का प्रभाव कम करना चाहता है, तो उसे भारत में निर्माण, तकनीक और औद्योगिक ढांचे को मजबूत करने में गंभीर निवेश करना होगा। केवल भाषणों और समझौतों से बात नहीं बनेगी। देखा जाये तो भारत के भीतर कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां अमेरिकी निवेश बड़ा बदलाव ला सकता है। उच्च तकनीक, रक्षा उपकरण निर्माण, डिजिटल डेटा सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला के क्षेत्र में भारत तेजी से आगे बढ़ सकता है। इससे दोनों देशों को फायदा होगा। एक तो अमेरिका को चीन पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी दूसरा भारत को वैश्विक उत्पादन केंद्र बनने का मौका मिलेगा।

लेकिन इस साझेदारी की असली परीक्षा भरोसे पर होगी। अमेरिका का पिछला रिकॉर्ड कई बार अस्थिर रहा है। अफगानिस्तान से अचानक वापसी और बदलती नीतियों ने उसके सहयोगियों को सतर्क किया है। भारत इसलिए हर कदम सोच-समझकर उठा रहा है। वैसे भी आज की दुनिया में गठबंधन केवल युद्ध लड़ने के लिए नहीं बनते, बल्कि तकनीक, व्यापार, डेटा और सप्लाई चेन पर नियंत्रण के लिए भी बनते हैं। अमेरिका और भारत के रिश्ते अब इसी नए दौर में प्रवेश कर चुके हैं। यह संबंध केवल दो देशों के बीच साझेदारी नहीं, बल्कि एशिया और दुनिया की नई शक्ति संरचना का आधार बन सकता है। मार्को रुबियो की यात्रा इसी बदलती भू-राजनीति का संदेश है। संकेत साफ है कि अमेरिका को अब भारत की जरूरत महसूस हो रही है। और भारत भी यह समझ चुका है कि वैश्विक राजनीति में अब निर्णायक खिलाड़ी बनकर उतरने का समय आ गया है।

इसके अलावा, हाल के घटनाक्रमों ने यह भी साफ कर दिया है कि अमेरिका की चीन नीति उतनी सफल नहीं रही, जितनी ट्रंप प्रशासन उम्मीद कर रहा था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हाल ही में चीन दौरे पर गए थे, लेकिन वहां उन्हें कोई बड़ी रणनीतिक सफलता हासिल नहीं हुई। व्यापार, तकनीक और भू-राजनीतिक तनाव जैसे मुद्दों पर बीजिंग ने अमेरिकी दबाव के सामने झुकने के संकेत नहीं दिए। विश्लेषकों का मानना है कि इसी के बाद वॉशिंगटन को दोबारा यह एहसास हुआ कि एशिया में चीन का संतुलन केवल भारत के सहयोग से ही संभव है। यही वजह है कि ट्रंप के सुर अब बदले-बदले नजर आ रहे हैं। ट्रंप की चीन यात्रा के तुरंत बाद अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो भारत पहुंचे और उन्होंने भारत को 'नेचुरल पार्टनर' बताते हुए रिश्तों को नई दिशा देने की बात कही। माना जा रहा है कि ट्रंप ने अपने बेहद करीबी सहयोगियों में गिने जाने वाले भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर और विदेश मंत्री मार्को रुबियो को भारत के साथ रिश्तों को फिर से मजबूत करने की जिम्मेदारी दी है। खुद सर्जियो गोर ने सार्वजनिक रूप से कहा कि ट्रंप भारत और प्रधानमंत्री मोदी के साथ संबंधों को बेहद अहम मानते हैं। दरअसल, अमेरिका अब समझ चुका है कि चीन के साथ 'प्रतिस्पर्धा और सहयोग' की उसकी रणनीति सीमित परिणाम दे रही है, जबकि भारत के साथ मजबूत साझेदारी इंडो-पैसिफिक में उसे कहीं अधिक स्थिर और भरोसेमंद आधार दे सकती है।

संभवतः यह भी एक कारण है कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अपने दौरे के दौरान साफ शब्दों में कहा कि भारत अब अमेरिका के 'सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक सहयोगियों' में शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बैठकों के बाद रुबियो ने संकेत दिए कि दोनों देशों के बीच लंबे समय से लंबित व्यापार समझौता अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है और आने वाले कुछ हफ्तों में इस पर सहमति बन सकती है। रुबियो ने यह भी स्पष्ट किया कि यह साझेदारी केवल टैरिफ या व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य टेक्नोलॉजी, निवेश, सप्लाई चेन और सामरिक सुरक्षा में गहरा सहयोग स्थापित करना है। क्वाड को लेकर भी अमेरिका अब केवल औपचारिक बैठकों से आगे बढ़कर उसे वास्तविक आर्थिक और सामरिक गठबंधन के रूप में विकसित करना चाहता है, जिसमें समुद्री सुरक्षा, क्रिटिकल मिनरल्स और चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला प्रमुख एजेंडा होंगे। रुबियो के बयानों से यह साफ झलकता है कि वाशिंगटन अब भारत को केवल दक्षिण एशिया की शक्ति नहीं, बल्कि इंडो-पैसिफिक रणनीति के केंद्रीय स्तंभ के रूप में देख रहा है।

बहरहाल, यह पूरा घटनाक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संतुलित और दूरदर्शी कूटनीति की बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। पिछले लगभग एक वर्ष से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत के खिलाफ तीखे बयान, व्यापारिक दबाव और कई असहज संकेत लगातार सामने आते रहे, लेकिन नई दिल्ली ने कभी भी भावनात्मक प्रतिक्रिया या सार्वजनिक बयानबाजी का रास्ता नहीं चुना। मोदी सरकार ने संयम, धैर्य और रणनीतिक चुप्पी बनाए रखते हुए अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी। भारत न तो अमेरिकी दबाव के आगे झुका और न ही संबंधों को टकराव की दिशा में जाने दिया। इसकी बजाय सही समय का इंतजार करते हुए भारत ने अपनी आर्थिक ताकत, वैश्विक प्रतिष्ठा और रणनीतिक महत्व को और मजबूत किया। आज स्थिति यह है कि वही अमेरिका, जो कभी भारत पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा था, अब रिश्तों को सुधारने और भारत को अपना सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बताने पर मजबूर है। यह केवल कूटनीतिक जीत नहीं, बल्कि उस आत्मविश्वासी भारत की तस्वीर है जिसने दुनिया को दिखा दिया कि मजबूत राष्ट्र शोर से नहीं, बल्कि धैर्य, संतुलन और सही रणनीति से अपनी जगह बनाते हैं।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

कॉकरोच जनता पार्टी क्या सिर्फ एक छलावा मात्र है?

(संतोष कुमार पाठक)

15 मई को एक मामले की सुनवाई के दौरान देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने जिस शब्दावली और तेवरों के साथ बेरोजगार युवाओं को कॉकरोच के साथ जोड़ा, उससे देश में एक नया ही तूफान खड़ा हो गया। हालांकि अगले ही दिन जस्टिस सूर्यकांत ने अपनी टिप्पणी पर सफाई भी दे दी।

सत्य कभी-कभी कल्पना से भी कहीं ज्यादा विचित्र होता है। आज से पहले शायद ही कभी किसी ने ऐसा सोचा भी होगा कि एक दौर ऐसा आएगा जब लोगों में अपने आपको कॉकरोच कहने की होड़ लग जाएगी। देश भर में 'मैं भी कॉकरोच' जैसा एक बड़ा अभियान शुरू हो जाएगा। लोग, खासतौर से लाखों युवा 'मैं भी कॉकरोच' जैसे मीम्स और बैनरों के जरिए न केवल अपने आपको कॉकरोच कहने में गर्व महसूस करेंगे बल्कि हैशटैग के जरिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर इसे ज्यादा से ज्यादा लोकप्रिय बनाने की भी कोशिश करेंगे।लेकिन ऐसा हुआ और इतनी तेजी से हुआ कि किसी को भी सोचने-समझने का मौका तक नहीं मिला।

15 मई को एक मामले की सुनवाई के दौरान देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने जिस शब्दावली और तेवरों के साथ बेरोजगार युवाओं को कॉकरोच के साथ जोड़ा, उससे देश में एक नया ही तूफान खड़ा हो गया। हालांकि अगले ही दिन जस्टिस सूर्यकांत ने अपनी टिप्पणी पर सफाई भी दे दी। लेकिन उसके बाद भी विरोध के स्वर बंद नहीं हुए।

देशभर में सरकारी सिस्टम से नाराज लाखों युवा अलग-अलग अंदाज में लगातार अपना गुस्सा तो जाहिर कर ही रहे थे लेकिन देश की राजधानी दिल्ली से लगभग 11,500 किमी दूर बैठे एक भारतीय युवा अभिजीत दीपके (जो महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर के रहने वाले हैं) के दिमाग में एक आइडिया आया और उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर तुरंत 'कॉकरोच जनता पार्टी' बना दी। इसके बाद देखते ही देखते भारत के लोकतंत्र में कुछ ऐसा होता हुआ नजर आया, जो इससे पहले किसी ने सोचा तक नहीं होगा।

देखते-देखते सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर 'कॉकरोच जनता पार्टी' के फॉलोअर्स की संख्या 2 करोड़ 30 लाख तक पहुंचने वाली है। यह दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल होने का दावा करने वाली भारतीय जनता पार्टी के इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स की कुल संख्या 93 लाख से लगभग ढाई गुणा ज्यादा है।

इस बीच पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके भी लगातार चर्चा में रहे। पार्टी के एक्स अकाउंट पर कभी रोक लगाई गई तो कभी वेबसाइट को डाउन करने का आरोप लगाया गया। जैसे ही लोगों ने इस पार्टी के इतिहास-भूगोल को खंगालना शुरू किया, सकते में आए अभिजीत दीपके ने तुरंत सफाई शुरू कर दी। इस बीच उन्होंने पार्टी के आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज को हैक करने का दावा भी किया और जब यह ठीक हुआ तो विवाद पैदा करने वाले पार्टी के संस्थापक मेघनन्द को उनकी ही पार्टी फॉलो करना बंद कर चुकी थी।

मतलब कहीं न कहीं, कुछ तो गड़बड़ है। कुछ तो ऐसा हो रहा है जो फिलहाल सामने से नजर नहीं आ रहा है लेकिन जिसका आभास तो हो ही रहा है। बीजेपी इस पार्टी को विदेशी धरती से चलने वाले विपक्षी दल का टूलकिट बता रही है तो वहीं कई वरिष्ठ पत्रकार और बौद्धिक जमात के लोग इसे बीजेपी की बी टीम के रूप में पेश कर रहे हैं। अभिजीत दीपके की भी कई हरकतें, संदेह पैदा कर रही है। अभिजीत द्वारा एक खास पार्टी के समर्थक माने जाने वाले पत्रकारों को ही इंटरव्यू देना, विवादित व्यक्ति को अनफॉलो कर पहले कुछ खास पत्रकारों को फॉलो करना और फिर उन्हें भी अनफॉलो कर देना। सोचिए जो व्यक्ति शुरुआत से ही इतना ज्यादा सेलेक्टिव हो,उसके पीछे कितनी बड़ी टीम या कितना बड़ा दिमाग काम कर रहा होगा जो भारत के लोकतांत्रिक आंदोलन के मिज़ाज, भारत की मेनस्ट्रीम और नई मीडिया(यूट्यूबर्स) की आदतों को कितनी अच्छी तरह से समझता है। आंदोलन के जरिए, देश में एक माहौल पैदा करने में बीजेपी और आम आदमी पार्टी दोनों को महारत हासिल है। दुर्भाग्यपूर्ण बात तो है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी जिसने देश पर सबसे ज्यादा राज किया है और जो वर्तमान में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है वो कांग्रेस बड़े स्तर पर आंदोलन चलाना और इसे लोकप्रिय बनाने के तौर-तरीके भूल चुकी है। यह भी गौर करने वाली बात है कि कॉकरोच जनता पार्टी को चंद बड़े पत्रकार अपने-अपने यूट्यूब चैनल पर जितना स्पेस दे रहे हैं उससे भी कहीं ज्यादा स्पेस मेनस्ट्रीम मीडिया दे रहा है। हाल के वर्षों में ऐसा कब हुआ था, याद करने की कोशिश कीजिए। इस लेख के लेखक ने अरविंद केजरीवाल के आंदोलन को बहुत ही शुरुआत से कवर किया था जिसकी सबसे खास बात यह थी कि प्रेस कांफ्रेंस के लिए आने वाले न्यौते में जिस केजरीवाल का नाम सबसे लास्ट में और अरविंद केजरीवाल लिखा आता था,उस पार्टी में अब सिर्फ अरविंद केजरीवाल ही बचे रह गए हैं। याद कीजिएगा कि, उस दौर में भी अन्ना-अरविंद के आंदोलन पर सवाल उठाने वाले हर व्यक्ति को करप्ट व्यक्ति के तौर पर ही देखा जाने लगा था और आज भी अगर आप कॉकरोच जनता पार्टी से सवाल पूछते हैं तो एक खास इको-सिस्टम के लोग (पत्रकार भी) तुरंत सामने आकर आपकी निष्ठा पर सवाल उठाते हुए पूछने लगते हैं कि आखिर कॉकरोच जनता पार्टी से किसी को क्या दिक्कत हो सकती है?

तपती धरती, झुलसता जीवन- जनता के समक्ष हीटवेव की चुनौती

(ललित गर्ग)

हीटवेव का सबसे बड़ा कारण केवल बढ़ता तापमान नहीं, बल्कि वह विकास मॉडल है जिसने धरती की प्राकृतिक ढाल को कमजोर कर दिया। जंगल सदियों से पृथ्वी के प्राकृतिक एयर कंडीशनर रहे हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं, वाष्पोत्सर्जन द्वारा वातावरण को शीतल रखते हैं और वर्षा चक्र को संतुलित बनाए रखते हैं।

वर्ष 2026 की गर्मी केवल एक मौसमीय घटना नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के सामने खड़ी एक गंभीर चेतावनी बनकर सामने आई है। अप्रैल-मई के दौरान भारत सहित दक्षिण एशिया के अनेक हिस्सों में पड़ी रिकॉर्ड हीटवेव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य का संकट नहीं, वर्तमान की भयावह वास्तविकता है। दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और मध्य भारत के अनेक क्षेत्रों में तापमान 46 से 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। कई शहरों में बिजली की मांग ने रिकॉर्ड तोड़ दिए। सड़कें सूनी दिखने लगीं, श्रमिकों का श्रम ठहरने लगा और बच्चों, बुजुर्गों तथा गरीब तबकों के सामने जीवन बचाने की चुनौती खड़ी हो गई। यह संकट अचानक नहीं आया। यह दशकों से प्रकृति के साथ किए गए असंतुलित व्यवहार, अंधाधुंध शहरीकरण, जंगलों की कटाई, संसाधनों के दोहन और सुविधावादी जीवनशैली का परिणाम है। प्रकृति ने बार-बार संकेत दिए, लेकिन विकास की अंधी दौड़ में हमने उन संकेतों को अनसुना किया। आज वही उपेक्षित चेतावनियां लू बनकर हमारे सामने खड़ी हैं।

हीटवेव का सबसे बड़ा कारण केवल बढ़ता तापमान नहीं, बल्कि वह विकास मॉडल है जिसने धरती की प्राकृतिक ढाल को कमजोर कर दिया। जंगल सदियों से पृथ्वी के प्राकृतिक एयर कंडीशनर रहे हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं, वाष्पोत्सर्जन द्वारा वातावरण को शीतल रखते हैं और वर्षा चक्र को संतुलित बनाए रखते हैं। लेकिन विडंबना है कि विकास के नाम पर जंगलों का तेजी से विनाश हुआ। हर वर्ष लाखों हेक्टेयर वन क्षेत्र समाप्त हो रहे हैं। इसका परिणाम यह हुआ कि स्थानीय स्तर पर तापमान बढ़ा, नमी कम हुई, वर्षा चक्र प्रभावित हुआ और गर्म हवाओं की अवधि लंबी होती गई। आज शहर कंक्रीट के जंगल बन चुके हैं। महानगरों में हरित क्षेत्र सिकुड़ते जा रहे हैं और उनकी जगह सीमेंट, डामर और शीशे की ऊंची इमारतें ले रही हैं। इससे अर्बन हीट आइलैंड प्रभाव तेजी से बढ़ा है। शहर अब आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक गर्म हो चुके हैं। कंक्रीट दिनभर सूर्य की ऊष्मा को सोखता है और रात में धीरे-धीरे छोड़ता है। परिणामस्वरूप रातें भी गर्म होती जा रही हैं और शरीर को राहत नहीं मिल पाती।

दिल्ली, मुंबई, जयपुर और लखनऊ जैसे शहरों में रात का तापमान पहले की तुलना में लगातार बढ़ रहा है। गरीब बस्तियों में स्थिति और भी गंभीर है। वहां न हरित क्षेत्र हैं, न पर्याप्त जल आपूर्ति, न शीतलन के साधन। टीन की छतों वाले घर दिन में भट्ठी बन जाते हैं। गर्मी की मार सामाजिक असमानता को और गहरा करती है। अमीर वर्ग एयर कंडीशनर और बंद कमरों में राहत खोज लेता है, लेकिन मजदूर, रिक्शाचालक, रेहड़ी वाले और निर्माण कार्य में लगे श्रमिक खुले आसमान के नीचे झुलसते रहते हैं। विडंबना यह भी है कि गर्मी से राहत का सबसे लोकप्रिय साधन एयर कंडीशनर स्वयं संकट को बढ़ाने वाला कारक बनता जा रहा है। एक एयर कंडीशनर कमरे को ठंडा करता है, लेकिन बाहर उतनी ही गर्म हवा छोड़ता है। इसके साथ ही बिजली की खपत बढ़ती है, जिसका बड़ा हिस्सा अभी भी कोयला आधारित ऊर्जा से आता है। रेफ्रिजरेंट गैसें अतिरिक्त ग्रीनहाउस प्रभाव पैदा करती हैं। इस प्रकार एक दुष्चक्र निर्मित हो गया है-गर्मी बढ़ती है, एसी बढ़ते हैं, उत्सर्जन बढ़ता है और फिर गर्मी और बढ़ जाती है।

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव केवल तापमान तक सीमित नहीं है। यह कृषि, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर भी व्यापक असर डाल रहा है। वैज्ञानिक अध्ययनों से संकेत मिले हैं कि बढ़ती गर्मी और अनिश्चित मौसम के कारण गेहूं, धान और अन्य फसलों की उत्पादकता प्रभावित हो रही है। गर्म हवाएं पौधों की वृद्धि रोकती हैं, जल स्रोतों को सुखाती हैं और मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित करती हैं। यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले वर्षों में खाद्य संकट भी गहरा सकता है। स्वास्थ्य क्षेत्र पर भी इसका गंभीर प्रभाव दिख रहा है। लू लगना, निर्जलीकरण, हीट स्ट्रोक, हृदय रोग और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। अस्पतालों में गर्मी से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। सबसे अधिक खतरा बुजुर्गों, बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बाहर काम करने वाले श्रमिकों को है।

गर्मी का यह संकट सामाजिक और मानवीय संकट भी बन सकता है। जल स्रोतों के सूखने, कृषि संकट और जीवन परिस्थितियों के बिगड़ने से बड़े पैमाने पर पलायन बढ़ सकता है। जैव विविधता पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ रहा है। अनेक जीव-जंतु और वनस्पतियां अपने प्राकृतिक आवास खो रही हैं। हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है। ऐसी स्थिति में सरकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। केवल रेड अलर्ट और ऑरेंज अलर्ट जारी करना पर्याप्त नहीं है। हीटवेव को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के प्रमुख विषय के रूप में स्वीकार करते हुए दीर्घकालिक नीतियां बनानी होंगी। सबसे पहले शहरों में हीट एक्शन प्लान को प्रभावी ढंग से लागू करना होगा। प्रत्येक शहर में हरित क्षेत्र बढ़ाने, जल संरक्षण, छायादार मार्ग, सार्वजनिक प्याऊ और शीतलन केंद्रों की व्यवस्था आवश्यक है। स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थलों के समय निर्धारण में क्षेत्रीय तापमान को ध्यान में रखा जाना चाहिए। तीखी दोपहर में श्रमिकों के लिए कार्यावधि सीमित की जाए और उनके लिए विश्राम तथा पेयजल की व्यवस्था अनिवार्य हो।

सरकार को भवन निर्माण नीति में भी परिवर्तन लाना होगा। पारंपरिक भारतीय वास्तुकला-हवादार घर, आंगन, मिट्टी आधारित निर्माण, हरित छतें और प्राकृतिक वेंटिलेशन को बढ़ावा देना चाहिए। कांच की चमचमाती इमारतों और ऊष्मा अवशोषित करने वाले निर्माणों पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। कूल रूफतकनीक, वर्षा जल संचयन और सौर ऊर्जा आधारित शीतलन प्रणाली को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। वन संरक्षण और वृक्षारोपण केवल अभियान नहीं, राष्ट्रीय प्राथमिकता बनना चाहिए। शहरों में माइक्रो फॉरेस्ट, पार्क और हरित गलियारों का निर्माण किया जाए। जल निकायों और पारंपरिक तालाबों को पुनर्जीवित किया जाए क्योंकि वे स्थानीय तापमान नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन केवल सरकारें यह लड़ाई नहीं जीत सकतीं। आम जनता को भी अपनी भूमिका समझनी होगी। हमें उपभोगवादी जीवनशैली पर पुनर्विचार करना होगा। पानी का संयमित उपयोग, ऊर्जा की बचत, वृक्षारोपण, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग और स्थानीय पर्यावरण संरक्षण अब व्यक्तिगत विकल्प नहीं, सामाजिक जिम्मेदारी हैं।

भारतीय समाज में कभी सार्वजनिक प्याऊ, छायादार विश्राम स्थल और जल सेवा की समृद्ध परंपरा थी। गर्मियों में राहगीरों के लिए जल की व्यवस्था पुण्य कार्य माना जाता था। आज उस परंपरा को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। समाज, धार्मिक संस्थाएं और स्वयंसेवी संगठन मिलकर जल सेवा और राहत कार्यों का अभियान चला सकते हैं। गर्मी और जल संकट को राजनीति का विषय बनाने के बजाय सहयोग और समाधान का विषय बनाना होगा। जल विवादों और संसाधनों पर स्वार्थपूर्ण राजनीति भविष्य को और कठिन बनाएगी। आवश्यकता इस बात की है कि जल प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण और जलवायु अनुकूलन को राष्ट्रीय सहमति का विषय बनाया जाए।

वर्ष 2026 की यह झुलसाती गर्मी हमें चेतावनी दे रही है कि यदि हमने अभी भी प्रकृति के साथ संतुलन स्थापित नहीं किया तो आने वाले वर्षों में स्थिति और विकराल होगी। पृथ्वी का तापमान बढ़ेगा, जैव विविधता नष्ट होगी, खाद्य संकट गहराएगा और मानव जीवन अधिक कठिन हो जाएगा। यह समय प्रकृति से संघर्ष का नहीं, उसके साथ सामंजस्य का है। हमें विकास की ऐसी दिशा चुननी होगी जिसमें पर्यावरण, मानव जीवन और भविष्य सुरक्षित रह सके। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब सूरज की तपिश केवल असुविधा नहीं, अस्तित्व का संकट बन जाएगी।लेखक,पत्रकार एवं स्तंभकार है)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के प्रभारी कार्यपालन अभियंता नवीन टुंडी पर ठेकेदारों ने लगाए गंभीर आरोप

भुगतान रोकने और मानसिक प्रताड़ना का दावा, कार्रवाई नहीं होने पर प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी

बीजापुर। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत कार्य कर रहे ठेकेदारों और ठेकेदार संगठन ने विभाग के प्रभारी कार्यपालन अभियंता नवीन टुंडी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। ठेकेदारों का आरोप है कि विभागीय कार्यों में अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न की जा रही हैं, जिससे निर्माण कार्य प्रभावित हो रहे हैं। निर्माण कार्य करने के बावजूद एडवांस कमीशन की मांग कर भुगतान प्रदाय नहीं किया जा रहा है। ठेकेदार हरबीर सिंह बदेशा ने आरोप लगाया कि प्रभारी कार्यपालन अभियंता द्वारा उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है तथा उनके कार्यों का भुगतान भी लंबित रखा गया है। उन्होंने कहा कि भुगतान नहीं होने के कारण उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और वे मानसिक तनाव में हैं। घर बेचकर उन पैसों से सड़क निर्माण कार्य किया हूं। भुगतान प्रदाय करने हेतु समस्त दस्तावेज सत्यापन कर कार्यालय में जमा कर दिया हु जिसके बावजूद भी भुगतान हेतु बिल उच्च कार्यालय को प्रेषित नहीं किया गया और अन्याय की सब हदें पार हुई जब सड़क को निरस्त कर दिया गया। हरबीर सिंह बदेशा ने कहा, मेरे द्वारा किए गए कार्यों का भुगतान नहीं किया जा रहा है। लगातार विभागीय स्तर पर परेशान किया जा रहा है, जिससे मैं आर्थिक और

मानसिक रूप से प्रताड़ित हूं। उन्होंने आगे कहा कि कलेक्टर बीजापुर को भी सड़क निर्माण के बारे में भ्रामक तथ्य और गलत जानकारी दी गई। उनके द्वारा उच्च कार्यालय को भी गलत जानकारी दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि टी02 से दमारम, भोगमगुड़ा से गुमरा, गगनपल्ली से रावतपारा सड़कों का निर्माण नवम्बर 2025 से ठेकेदार हरबीर सिंह बदेशा द्वारा अति नक्सल प्रभावित होने के कारण पुलिस बल के सहयोग से सड़क निर्माण कार्य किया जा रहा है। निर्माणधीन सड़कों का प्रत्येक माह प्रोग्रेस उच्च कार्यालय को प्रेषित किया गया है, और सड़क निर्माण कार्य के दौरान उप अभियंत्रा, सहायक अभियंता, कार्यपालन अभियंता द्वारा सतत मार्गदर्शन दिया गया है, उन्हीं के अनुसार कार्य किया गया। इन सबके बावजूद भुगतान प्राप्त नहीं हुआ है। ठेकेदार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष बिरेश शुक्ला ने चेतावनी दी है कि यदि शासन द्वारा प्रभारी कार्यपालन अभियंता नवीन टुंडी के विरुद्ध शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई नहीं की गई तो प्रदेश स्तर पर आंदोलन शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर पूरे छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से जुड़े कार्य बंद कर ठेकेदारों को कार्यस्थलों से वापस बुलाने का निर्णय लिया जा सकता है। प्रदेश अध्यक्ष के अनुसार, ठेकेदारों की समस्याओं को लंबे समय से नजरअंदाज किया जा रहा है, जिससे निर्माण एजेंसियों में नाराजगी बढ़ रही है। उन्होंने शासन से मामले में शीघ्र हस्तक्षेप कर समाधान निकालने की मांग की है। उक्त संबंध में कार्यपालन अभियंता नवीन टुंडी का पक्ष जानने हेतु मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

महिला सहायता सेवाओं की समीक्षा हेतु सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोंडागांव के द्वारा सखी वन स्टॉप सेंटर नारायणपुर का किया गया निरीक्षण

कोंडागांव। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव खिलावन राम रोगरी के मार्गदर्शन में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव गायत्री साय के द्वारा सखी वन स्टॉप सेंटर नारायणपुर का किया निरीक्षण। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं, केन्द्र की कार्यप्रणाली तथा सेवा की गुणवत्ता का प्रत्यक्ष मूल्यांकन करना रहा। निरीक्षण के दौरान सचिव ने आवासित महिलाओं को दी जा रही सहायता के विषय में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने केंद्र में उपलब्ध कानूनी सहायता, चिकित्सा सेवा, मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग, आश्रय सुविधा तथा पुलिस सहायता जैसी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान आश्रय हेतु आए हुये महिलाओं को शासन की ओर से प्राप्त समस्त सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा पीड़ित महिलाओं के साथ संवेदनशीलता और समर्पण भाव से कार्य करने का निर्देश दिया गया। तथा ऐसे पीड़ित महिलाएं जिनको कानूनी मदद की आवश्यकता है उन महिलाओं का आवेदन तैयार कर निःशुल्क कानूनी सलाह सहायता दिलाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव में प्रेषित करने हेतु सखी वन स्टॉप सेन्टर के कर्मचारियों को निर्देशित किया गया। ताकि पीडित महिलाओं को उनका अधिकार दिलाया जा सके। निरीक्षण के दौरान सखी वन स्टॉप सेन्टर के कर्मचारीगण व अधिकार मित्र उपस्थित रहे।

नागरिकों की शिकायतों का निराकरण अब 'सीएम हेल्पलाइन' से जिला व ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

कांकेर। शासकीय सेवाओं एवं योजनाओं से संबंधित आमजन से प्राप्त शिकायतों के त्वरित, गुणवत्तापूर्ण एवं समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन द्वारा ''सीएम हेल्पलाइन एवं शिकायत प्रबंधन प्रणाली'' व्यवस्था विकसित की गई है, जिसमें आमजनता की शिकायतों का निराकरण समय-सीमा में पूर्ण पारदर्शिता के साथ होगा। इसके प्रभावी क्रियान्वयन, शिकायतों के समयबद्ध निराकरण तथा मैदानी स्तर पर सुचारू संचालन सुनिश्चित किये जाने के उद्देश्य से जिला पंचायत के सभाकक्ष में कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर तथा एसपी निखिल राखेचा की उपस्थिति में जिला स्तरीय प्रशिक्षण दिया गया। इसमें ब्लॉक स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। कलेक्टर क्षीरसागर ने बताया कि सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से जनसामान्य की समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। सुशासन सरकार (गुड गवर्नेंस) में इसके लिए प्रतिक्रिया आधारित एक मजबूत और जवाबदेह फ्रेमवर्क तैयार किया जा रहा है, ताकि हर शिकायत का समयबद्ध और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके। आम जनता को समर्पित इस अभिनव पहल से लोगों को सीधी पहुंच की सुविधा मिलेगी, पारदर्शिता बढ़ेगी और शासन-प्रशासन की सेवाओं की पहुंच हर स्तर पर अधिक सशक्त होगी। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को प्रशिक्षण में महत्वपूर्ण बिंदुओं और पोर्टल के तकनीकी पहलुओं को गंभीरता से समझने कहा। राज्य स्तर से गठित अधिकारियों के प्रशिक्षण दल के प्रमुख एवं सुशासन एवं अभिसरण विभाग के अधिकारी आर.के. शर्मा तथा सूचना प्रौद्योगिकी प्रबंधक सौरभ श्रीकांत द्वारा सीएम हेल्पलाइन के प्रावधान, संचालन एवं समस्याओं के निराकरण किये जाने हेतु प्रेजेंटेशन के माध्यम से जिला स्तरीय अधिकारियों को विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया गया। इसके लिए टोल फ्री नंबर- 1076 या 18002333300 अथवा वेबसाइट के लिंक https://cmhelpline.cg.gov.in/ पर आम नागरिक द्वारा शिकायत दर्ज की जा सकती है। इस दौरान बताया गया कि सीएम हेल्पलाइन एवं शिकायत प्रबंधन प्रणाली के तहत प्रदेश का कोई भी नागरिक टोल फ्री नंबर 1076 सहित वेब पोर्टल, मोबाइल ऐप और व्हाट्सएप जैसे आधुनिक किसी भी मल्टी चैनल माध्यम से कॉल करके 24X7 अपनी शिकायत आसानी से दर्ज करा सकता है। शिकायत दर्ज होते ही उन्हें एक विशिष्ट पहचान संख्या मिलेगी, जिसके माध्यम से शिकायतकर्ता को अपनी शिकायत की पूरी स्थिति किस विभाग में, किस अधिकारी के पास लंबित है, और कार्यवाही हुई या नहीं, इसके साथ ही समाधान में कितना समय लगेगा इसके बारे में विस्तृत जानकारी मिलेगी। कार्यशाला में यह भी बताया गया कि शिकायत दर्ज होने के बाद उसे संबंधित विभाग और अधिकारी तक तुरंत पहुंचाया जाएगा।

आवेदक की संतुष्टि पर आधारित होगा समाधान

कार्यशाला में यह भी जानकारी दी गई कि नागरिकों का फीडबैक इस पूरी प्रणाली की सबसे बड़ी ताकत है। समाधान होने के बाद संबंधित नागरिक से सीधे संपर्क कर उसकी प्रतिक्रिया ली जाएगी, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि समस्या का वास्तव में समाधान हुआ है या नहीं। व्यक्ति अगर समाधान से संतुष्ट होता है, तभी शिकायत का पूर्ण निराकरण माना जाएगा। लेकिन यदि कोई असंतुष्ट है तो शिकायत स्वतः सक्रिय हो जाएगी। इस पूरी व्यवस्था की निगरानी सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय और संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा की जाएगी। रियल टाइम मॉनिटरिंग की इस व्यवस्था से प्रशासन अधिक जवाबदेह, पारदर्शी और सक्रिय बनेगा, जिससे आम नागरिकों की समस्याओं का तेजी से निराकरण सुनिश्चित होगा। कार्यशाला में जिला पंचायत के सीईओ हरेश मंडावी, अपर कलेक्टर जितेन्द्र कुर्रे, एसडीएम कांकेर अरूण वर्मा सहित जिला स्तर के विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

सहयोग चौपाल को मिल रहा ग्रामीणों का भरपूर समर्थन, गौरगांव में केशकाल पुलिस ने सुनी जनता की समस्याएं

कोंडागांव। पुलिस की अभिनव पहल सहयोग चौपाल ग्रामीण क्षेत्रों में जनसमस्याओं के समाधान का प्रभावी मंच बनकर उभर रही है। इसी कड़ी में थाना केशकाल क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गौरगांव में सहयोग चौपाल का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक कोंडागांव पंकज चंद्रा के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चंद्रा एवं एसडीओपी अरुण नेताम के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी विकास बघेल के नेतृत्व में आयोजित इस चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं, शिकायतें और सुझाव सीधे पुलिस अधिकारियों के समक्ष रखे। आपसी विवाद, सामाजिक मनमुटाव, भूमि संबंधी मामले, कानून व्यवस्था एवं अन्य स्थानीय मुद्दों पर खुलकर चर्चा की गई। अधिकारियों ने ग्रामीणों को कानूनी जानकारी प्रदान करते हुए आपसी सौहार्द, भाईचारे और सहभागिता की भावना के साथ रहने की समझाइश दी। साथ ही समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। विशेष बात यह रही कि सहयोग चौपाल को ग्रामीणों का सकारात्मक और उत्साहजनक प्रतिसाद मिल रहा है। लोग स्वस्फूर्त रूप से चौपाल में शामिल होकर अपनी समस्याएं पुलिस के समक्ष रख रहे हैं तथा उनके समाधान की दिशा में हो रही पहल से संतुष्टि जता रहे हैं। ग्रामीणों ने कोंडागांव पुलिस की इस जनहितैषी पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे पुलिस और आम जनता के बीच विश्वास एवं संवाद और अधिक मजबूत हो रहा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिलेभर में सहयोग चौपाल का आयोजन लगातार जारी रहेगा, ताकि लोगों की समस्याओं का समाधान उनके गांवों तक पहुंचकर किया जा सके।

जनगणना 2027 : प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य पूर्ण

कांकेर। जनगणना 2027 के तहत प्रथम चरण में जिले में निर्धारित समयावधि 1 मई से 30 मई को मकान सूचीकरण तथा मकानों की गणना का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। यह सूची आगामी फरवरी 2027 में होने वाली जनसंख्या गणना के लिए आधार का कार्य करेगी। जिले के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में प्रगणकों ने घर-घर पहुंचकर मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से जानकारी संकलित की गई। इस दौरान भारत सरकार द्वारा अधिसूचित 33 बिंदुओं पर मकानों की स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं तथा परिवारों की परिसंपत्तियों से संबंधित आंकडे एकत्र किए गए। संकलित सभी जानकारी को सुरक्षित रूप से भारत सरकार के सर्वर में संग्रहित किया गया है। अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी जितेन्द्र कुर्रे ने बताया कि जिले की 11 तहसीलों और 06 नगरीय निकायों में यह कार्य संपादित किया गया।

इसके लिए 11 ग्रामीण चार्ज और 06 नगरीय चार्ज बनाए गए थे, जिनके अंतर्गत कुल 1622 मकानसूचीकरण गणना ब्लॉक गठित किए गए थे। जनगणना अभियान के सफल संचालन के लिए जिले में कुल 1882 अधिकारियों और कर्मचारियों की नियुक्ति की गई थी। इनमें 01 प्रमुख जनगणना अधिकारी, 01 जिला जनगणना अधिकारी, 17 चार्ज अधिकारी, 2 मास्टर ट्रेनर, 32 फील्ड ट्रेनर, 1536 प्रगणक और 268 पर्यवेक्षक शामिल थे। उन्होंने बताया कि दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों तक पहुंचने की चुनौतियों के बावजूद प्रगणकों और पर्यवेक्षकों ने समर्पण और कर्तव्यनिष्ठ के साथ कार्य करते हुए निर्धारित समय में प्रथम चरण को सफलतापूर्वक पूरा किया। जिले का कोई भी क्षेत्र गणना कार्य से वंचित नहीं रहा और नागरिकों ने भी इस अभियान में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने जनगणना 2027 के प्रथम चरण की सफलता पर जिलेवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनसहयोग के कारण ही यह महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान सफल हो पाया है। उन्होंने फरवरी 2027 में आयोजित होने वाले द्वितीय चरण 'जनसंख्या गणना' में भी नागरिकों से इसी प्रकार सहयोग करने की अपील की। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नागरिकों द्वारा उपलब्ध कराई गई सभी व्यक्तिगत जानकारियां जनगणना अधिनियम 1948 एवं जनगणना नियमावली 1990 के तहत पूर्णतः गोपनीय रखी जाएंगी तथा इनका उपयोग केवल नीति निर्माण और जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए किया जाएगा।

रेत उत्खनन एवं भंडारण पर उठे सवाल ग्रामीणों ने निष्पक्ष जांच की मांग

बीजापुर। बीजापुर जिले के तारलागुड़ा क्षेत्र में रेत उत्खनन और भंडारण को लेकर स्थानीय ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि नदी तट से बड़े पैमाने पर रेत निकालकर विभिन्न स्थानों पर डंप की जा रही है, जिससे खनन नियमों के पालन और प्रशासनिक निगरानी को लेकर संदेह की स्थिति बनी हुई है। ग्रामीणों के अनुसार क्षेत्र में रेत खनन के लिए ग्राम पंचायत को पट्टा जारी किए जाने तथा भंडारण के लिए अलग से भूमि लीज पर उपलब्ध कराए जाने की जानकारी है लेकिन कथित भंडारण स्थल पर आवश्यक सूचना पटल नहीं लगाए जाने से पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि रेत उत्खनन में भारी मशीनों के उपयोग की भी चर्चा है। उनका आरोप है कि यदि नियमों के विपरीत उत्खनन और भंडारण किया जा रहा है तो इससे नदी के प्राकृतिक स्वरूप पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है और शासन को राजस्व हानि होने की आशंका भी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने, संयुक्त निरीक्षण करने, डंप की गई रेत का सत्यापन कराने तथा संबंधित दस्तावेजों की जांच की मांग की है। साथ ही नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होने पर संबंधित लोगों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करने की मांग भी की है। इस संबंध में प्रशासन और खनिज विभाग की संभावित कार्रवाई पर क्षेत्रवासियों की नजरें टिकी हुई हैं।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोंडागांव ने उप-जेल नारायणपुर का किया निरीक्षण, हेल्प डेस्क की कार्यप्रणाली की समीक्षा

कोंडागांव। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव गायत्री साय के द्वारा उप-जेल नारायणपुर का निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण का उद्देश्य जेल प्रशासन की व्यवस्थाओं, बंदियों की स्थिति, स्वास्थ्य सुविधाओं, सुरक्षा उपायों एवं अन्य आवश्यक सेवाओं का जायजा लेना था। जेल निरीक्षण के दौरान सचिव ने जेल की विभिन्न बैरकों, रसोईघर, चिकित्सालय, पुस्तकालय एवं सुरक्षा व्यवस्था का अवलोकन किया। उन्होंने बंदियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं के बारे में

जानकारी प्राप्त की तथा सचिव ने बताया कि लीगल एड डिफेंस कौंसिल सिस्टम के अंतर्गत प्रत्येक आरोपित/बंदी को अवश्यकता अनुसार एक प्रशिक्षित एवं योग्य अधिवक्ता नियुक्त किया जाता है जो प्रारंभिक जांच से लेकर मुकदमे के अंतिम निर्णय तक कानूनी सहायता उपलब्ध कराता है, इस दौरान जेल परिसर में बंदियों और उनके परिजनों की सुविधा के लिए संचालित हेल्प डेस्क की कार्यप्रणाली का विशेष जायजा लिया गया। उक्त निरीक्षण में सहायक जेल अधीक्षक संजय नायक, जेल के कर्मचारीगण एवं अधिकार मित्र उपस्थित रहें।

भानुप्रतापपुर वन मंडल में वित्तीय नियमों की धज्जियां

मार्च का कैश बुक दो महीने बाद भी खाली, कैम्पा और विभागीय मद के करोड़ों के खर्च पर संदेह

भानुप्रतापपुर। पूर्व वन मंडल कार्यालय भानुप्रतापपुर में वित्तीय पारदर्शिता और शासकीय नियमों को ताक पर रखने का एक बड़ा मामला सामने आया है। सूचना के अधिकार के तहत जानकारी लेने पहुंचे एक कार्यकर्ता के निरीक्षण के दौरान यह खुलासा हुआ कि वन मंडल द्वारा मार्च 2026 का कैश बुक अभी तक भरा ही नहीं गया है।

मार्च का महीना बीते दो महीने से अधिक का समय हो चुका है, लेकिन रिकॉर्ड का संधारण न होना विभागीय कार्यप्रणाली पर गंभीर वित्तीय अनियमितता का संदेह पैदा कर रहा है। सूचना के अधिकार कार्यकर्ता द्वारा भानुप्रतापपुर वन मंडल से विभागीय मद और कैम्पा मद के अंतर्गत अक्टूबर 2025 से मार्च 2026 तक की कैश बुक की अभिप्रमाणित छायाप्रति मांगी गई थी। नियमों के तहत कैश बुक का अवलोकन करने के लिए जब कार्यकर्ता 1 जून 2026 को कार्यालय पहुंचे, तब इस बड़ी लापरवाही का पर्दाफाश हुआ। करोड़ों रुपये के विभागीय और कैम्पा मद की राशि खर्च हुए महीनों बीत गए, लेकिन उसका आधिकारिक

रिकॉर्ड मेंटेन नहीं किया गया है।

इन शासकीय नियमों का हुआ है सरेआम उल्लंघन

कैश बुक का समय पर न भरा जाना केवल एक लिपिकीय चूक नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर छत्तीसगढ़ शासन के वित्तीय नियमों का उल्लंघन है। शासकीय नियमों के अनुसार, हर सरकारी विभाग में प्रतिदिन या अधिकतम साप्ताहिक स्तर पर वित्तीय लेन-देन का मिलान कर कैश बुक को अद्यतन करना अनिवार्य है। महीना खत्म होने के बाद अगले महीने के शुरुआती सप्ताह में पिछले महीने की क्लोजिंग रिपोर्ट लॉक हो जानी चाहिए। कैम्पा फंड की निगरानी सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस और राष्ट्रीय स्तर पर होती है। इसके तहत खर्च की गई राशि का रियल-टाइम या मासिक ऑडिट ट्रैकिंग अनिवार्य है। दो महीने तक रिकॉर्ड न लिखना वित्तीय हेराफेरी की आशंका को जन्म देता है।

आरटीआई अधिनियम 2005 की अवहेलना

धारा 4(1)(ड) के तहत हर सरकारी कार्यालय को अपने रिकॉर्ड को व्यवस्थित और अपडेट रखना अनिवार्य है ताकि पारदर्शिता बनी रहे। रिकॉर्ड का अपूर्ण होना आरटीआई के मूल उद्देश्य को आघात पहुँचाता है।

कार्यालयीन रिकॉर्ड में दर्ज कराई गई आपत्ति

इस गंभीर वित्तीय चूक और अपूर्णता को आधिकारिक तौर पर कार्यालयीन रिकॉर्ड में दर्ज करा दिया गया है। जब वित्तीय वर्ष 2025-26 समाप्त हुए दो महीने बीत चुके हैं, तो भानुप्रतापपुर पूर्व वन मंडल का मार्च 2026 का लेखा-जोखा अब तक क्यों छिपाया जा रहा है? क्या इस देरी के पीछे खर्चों में की गई किसी बड़ी गड़बड़ी को दबाने का प्रयास किया जा रहा है? इस मामले में उच्च अधिकारियों से निष्पक्ष जांच और दोषी अधिकारियों के खिलाफ तत्काल अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की मांग की जा रही है।

नपं में नियमों को ताक पर रखकर दुकान आवंटन और अवैध निर्माण का आरोप, कांग्रेस पार्षदों ने उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

भानुप्रतापपुर। नगर पंचायत भानुप्रतापपुर में शासकीय कॉम्प्लेक्स, दुकानों के आवंटन, लीज नवीनीकरण और अवैध अतिक्रमण को लेकर माहौल गरमा गया है। नगर पंचायत के कांग्रेस पार्षदों ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी और अनुविभागीय अधिकारी को एक लिखित आवेदन सौंपकर विभिन्न मामलों में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाया है और निष्पक्ष जांच की मांग की है। पार्षदों का कहना है कि यदि इन बिंदुओं पर तत्काल कार्रवाई नहीं की गई, तो वे क्रमबद्ध धरना प्रदर्शन, आंदोलन और आमरण अनशन करने के लिए बाध्य होंगे। प्रशासनिक पारदर्शिता पर सवाल उठाते हुए पार्षदों ने पूर्व में हुए जोनल कार्यों में जारी की गई राशि और भुगतान बिल एमबी की कॉपी प्रदान करने की भी मांग की है, ताकि वित्तीय अनियमितताओं की जांच की जा सके, इस दौरान कांग्रेस पार्षद विजय धमेचा, प्रिया सिंह, निशा तिवारी, पंकज वाधवानी, मनदीप कौर, कृतिबाला पद्दा, नरेंद्र कुलदीप, भगवान सिंह कुंजाम उपस्थित रहे। सौंपे गए ज्ञापन में पार्षदों ने मुख्य रूप से पांच बिंदुओं पर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। गायत्री मंदिर के

सामने स्थित शासकीय कॉम्प्लेक्स की खाली दुकान नंबर 07 पर नगर के कुछ रसूखदार लोगों द्वारा अवैध कब्जे की कोशिश की जा रही है, जहां गुपचुप तरीके से रंगाई-पोताई का काम भी शुरू कर दिया गया है। पार्षदों ने मांग की है कि इस दुकान को खुली नीलामी प्रक्रिया में डाला जाए, आरक्षण रोटेशन का पालन हो और अतिक्रमणकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्य चौक पर स्थित शासकीय कॉम्प्लेक्स के प्रथम तल पर चल रहे निर्माण कार्य को लेकर मांग की गई है कि परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार संपूर्ण कॉम्प्लेक्स का आवंटन आरक्षण रोटेशन और लॉटरी पद्धति के जरिए ओपन नीलामी से किया जाए, ताकि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रहे। नगर पंचायत भानुप्रतापपुर के ठीक सामने बन रहे नए शासकीय कॉम्प्लेक्स को लेकर भी पार्षदों ने यही मांग दोहराई है कि इसे भी आरक्षण रोटेशन और ओपन नीलामी के दायरे में लाया जाए।

हरे-भरे पेड़ों को काटकर अवैध कॉम्प्लेक्स निर्माण का आरोप

आवेदन में एक और गंभीर मुद्दा उठाते हुए कहा गया है कि शासकीय हाई स्कूल भवन के बगल में स्थित 'राम वाटिका' की सुरक्षा के लिए नगर पंचायत द्वारा बाउंड्रीवॉल का निर्माण कराया गया था। आरोप है कि इस वाटिका के अंदर स्थित वर्षों पुराने फलदार वृक्षों और हरे-भरे पेड़ों को सरेआम काटकर वहां अवैध रूप से कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया जा रहा है। पार्षदों ने इस निर्माण कार्य को तत्काल रोकने और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई करने की मांग की है।

प्रशासन को अल्टीमेटम: मांगें पूरी न होने पर होगा उग्र आंदोलन

पार्षदों ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी है कि शहर के आम नागरिकों में इन आवंटन प्रक्रियाओं को लेकर भारी संदेह और आक्रोश की स्थिति है। यदि प्रशासन ने इन सभी पांचों बिंदुओं पर समय रहते उचित और निष्पक्ष कार्रवाई नहीं की, तो सभी पार्षद चरणबद्ध तरीके से धरना प्रदर्शन, आंदोलन और आमरण अनशन पर बैठने को मजबूर होंगे, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

संक्षिप्त समाचार

बिलासपुर मंडल में 15 जून 2026 को पेन्शन अदालत का आयोजन

बिलासपुर। रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार पेन्शन अदालत का आयोजन वरि.मंडल कार्मिक अधिकारी सभाकक्ष बिलासपुर में दिनांक 15 जून 2026 (सोमवार) को प्रात: 11.00 बजे से किया जायेगा। मंडल के समस्त सेवानिवृत्त कर्मचारियों को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वे अपने आवेदन दो प्रति में पूर्ण दस्तावेज के साथ (जिसमें पी.एफनम्बर, सेवानिवृत्ति तिथि, पी.पी.ओ.नम्बर एवं पता लिखना अनिवार्य है) दिनांक 09 जून 2026 (मंगलवार) तक या इसके पूर्व वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी (पेंन्शन अदालत) को आवेदन कर सकते हैं। इसके बाद प्राप्त होने वाले आवेदन पर विचार नही किया जायेगा। पेन्शन अदालत में पेन्शन से सम्बन्धित शिकायतों का निराकरण किया जाता है। अगर किसी सेवानिवृत कर्मचारी को सेवानिवृत्ति के पश्चात मिलने वाला बकाया निपटान एवं पेन्शन भुगतान सम्बन्धी कोई भी शिकायत है तो वे अवश्य आवेदन करें, जिससे उनकी समस्याओं का निराकरण किया जा सके। इस पेन्शन अदालत में न्यायालय में विचाराधीन, विवादास्पद, उत्तराधिकारी मामला तथा अन्य नीतिगत मामलों, रेलवे बोर्ड में लंबित प्रकरण मामलों को शामिल नही किया जायेगा ।

कोरबा-रायपुर-कोरबा हसदेव एक्सप्रेस 01 अगस्त 2026 से प्रतिदिन 18249/18250 नंबर के साथ चलेगी।

बिलासपुर। यात्रियों की सुविधा, बेहतर रेल कनेक्टिविटी एवं सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा 18249/18250 तथा 18251/18252 हसदेव एक्सप्रेस की सेवाओं का विलय कर इसे प्रतिदिन नियमित रूप से संचालित करने का निर्णय लिया गया है। वर्तमान में 18249/18250 रायपुरङ्कोरबाङ्करायपुर हसदेव एक्सप्रेस सप्ताह में चार दिन तथा 18251/18252 रायपुरङ्कोरबाङ्करायपुर हसदेव एक्सप्रेस सप्ताह में तीन दिन संचालित की जा रही है। इन दोनों ट्रेनों की सेवाओं का विलय करते हुये 01 अगस्त 2026 से ट्रेन संख्या 18249/18250 कोरबा-रायपुर-कोरबा हसदेव एक्सप्रेस के रूप में प्रतिदिन संचालित होगी। इस निर्णय का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यात्रियों को अब दो अलग-अलग ट्रेन नंबरों और अलग-अलग संचालन दिनों की जानकारी याद रखने की आवश्यकता नहीं होगी। एक ही ट्रेन संख्या 18249/18250 हसदेव एक्सप्रेस प्रतिदिन उपलब्ध रहेगी, जिससे यात्रा योजना बनाना अधिक सरल और सुविधाजनक होगा । इस ट्रेन में कुल 15 आधुनिक एलएचबी कोच की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

छत्तीसगढ प्रखर पत्रकार महासंघ सभी सदस्यों का होगा बीमा और स्वास्थ्य जांच. 13 जून को शिविर का भव्य आयोजन

बिलासपुर। सर्किट हाउस में 'छत्तीसगढ़ प्रखर पत्रकार महासंघ' की महत्वपूर्ण और आवश्यक बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। इस बैठक में महासंघ के प्रांतीय, संभागीय और जिला स्तर के पदाधिकारियों सहित भारी संख्या में वरिष्ठ व युवा पत्रकार साथी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन की मजबूती, छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में संगठन का विस्तार तथा पत्रकार साथियों के हित व कल्याण के लिए आगामी योजनाओं पर ठोस रणनीति तैयार करना था। बैठक के प्रथम सत्र में छत्तीसगढ़ प्रखर पत्रकार महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा संगठन की कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि संगठन की पहुंच राज्य के अंतिम छोर पर बैठे ग्रामीण पत्रकारों तक सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए उपस्थित सभी पदाधिकारियों को विशेष जिम्मेदारी सौंपते हुए संभाग और जिला स्तर पर सदस्यता अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।पत्रकार समाज का आईना होते हैं और उनकी सुरक्षा, सम्मान तथा एकजुटता ही इस महासंघ का मूल उद्देश्य है। संगठन का विस्तार केवल संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि हर पत्रकार साथी को एक मजबूत मंच प्रदान करना है। बैठक के दूसरे सत्र में पत्रकारों के सामाजिक और व्यक्तिगत सरोकार से जुड़े एक बड़े आयोजन पर मुहर लगाई गई। पत्रकारिता के क्षेत्र में दिन-रात फील्ड पर सक्रिय रहने वाले साथियों के स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए महासंघ द्वारा आगामी 13 जून को एक वृहद स्वास्थ्य परीक्षण तथा पत्रकार बीमा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच: प्रतिष्ठित डॉक्टरों की टीम द्वारा पत्रकारों और उनके परिजनों का ब्लड प्रेशर, शुगर, अन्य आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण किए जाएंगे। जांच के उपरांत डॉक्टरों की सलाह पर आवश्यक दवाइयां भी मुफ्त उपलब्ध कराई जाएंगी। पत्रकार दुर्घटना बीमा: फील्ड में काम करने वाले पत्रकारों के लिए विशेष अनुकूल शर्तों पर स्वास्थ्य एवं दुर्घटना बीमा कराने की व्यवस्था की जाएगी, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति में उनके परिवार को आर्थिक संबल मिल सके। 13 जून के इस गरिमामयी और जनहितैषी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बैठक में ही अलग-अलग कमेटियों का गठन किया गया। डॉक्टरों से समन्वय, कार्यक्रम स्थल की व्यवस्था, प्रचार-प्रसार और बीमा कंपनियों से तालमेल के लिए अलग-अलग पदाधिकारियों को प्रभार सौंपा गया है।

जिला स्तरीय शहरी समाधान शिविर में 18 करोड़ रुपए से ज्यादा के विकास कार्यों का भूमिपूजन

जनता के विश्वास को और मजबूत बना रहा सुशासन तिहार

■ विकास की नई इबारत लिख रहा बिलासपुर, योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हमारी प्रतिबद्धता: केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू

बिलासपुर। केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू और उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव आज सुशासन तिहार के अंतर्गत पुत्रीबाई स्कूल सामुदायिक भवन में आयोजित जिला स्तरीय शहरी समाधान शिविर में शामिल हुए। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन और विकास को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है तथा बिलासपुर के विकास के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उप मुख्यमंत्री श्री श्री अरुण साव ने कहा कि जनता के प्रति जवाबदेही ही वास्तविक सुशासन है और सुशासन तिहार ने शासन के प्रति लोगों के विश्वास को और अधिक मजबूत किया है। न्यायधानी बिलासपुर को उसकी पहचान और गरिमा के अनुरूप विकसित करने के लिए लगातार बड़े पैमाने पर विकास कार्य किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में अतिथियों ने मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना के तहत 12 करोड़ 95 लाख रुपए की लागत से अरपा राम सेतु से शनिचरी रपटा तक सड़क, नाला एवं पिचिंग कार्य तथा 5 करोड़ 55 लाख रुपए की लागत से कुंदन पैलेस से सहारे गली होते हुए बस स्टैंड तक आरसीसी बॉक्स निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। कुल 18 करोड़ 50 लाख रुपए से अधिक लागत के इन विकास कार्यों से शहर की अधोसंरचना को नई मजबूती मिलेगी तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध

होंगी। मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने कहा कि सुशासन तिहार शासन और जनता के बीच विश्वास को और सशक्त बनाने का अभिनव अभियान है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटियों को तेजी से धरातल पर उतारा जा रहा है और प्रदेश विकास के नए प्रतिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में संवेदनशीलता और जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि कोई भी पात्र हितग्राही शासन की योजनाओं से वंचित न रहे। श्री साहू ने कहा कि बिलासपुर आज तेजी से बदलती हुई न्यायधानी के रूप में उभर रहा है। फोरलेन सड़कों का निर्माण, एयरपोर्ट विस्तार की दिशा में हो रहे प्रयास तथा कोपरा जलाशय का रामसर साइट के रूप में चयन इस क्षेत्र के बढ़ते महत्व को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों को गति देने के लिए केंद्र और राज्य सरकार मिलकर कार्य कर रही हैं तथा बिलासपुर के समग्र विकास के लिए आवश्यक हर सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान और शासन के प्रति उसका बढ़ता विश्वास ही सुशासन तिहार की सबसे बड़ी उपलब्धि है। सुशासन तिहार ने शासन और आमजन के बीच संवाद का प्रभावी माध्यम तैयार किया है, जिससे लोगों की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्यों को प्राथमिकता मिल रही है।

नकली खाद बीज से किसान रहें सावधान खरीदने से पहले करें गुणवत्ता की पहचान

कृषि विभाग ने किसानों को बताए असली और नकली उर्वरक पहचानने के आसान तरीके

बिलासपुर। खरीफ सीजन की शुरुआत के साथ ही किसानों द्वारा खेतों की तैयारी और उर्वरकों की खरीदी का कार्य तेजी से शुरू हो गया है। ऐसे में कृषि विभाग ने किसानों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा है कि खाद खरीदते समय उसकी गुणवत्ता और प्रामाणिकता की जांच अवश्य करें। नकली अथवा मिलावटी खाद के उपयोग से फसलों की वृद्धि प्रभावित होने के साथ-साथ किसानों को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। कृषि विभाग के उप संचालक ने बताया कि किसानों को खाद केवल पंजीकृत सहकारी समितियों और लाइसेंसधारी विक्रेताओं से ही खरीदनी चाहिए तथा खरीदारी की रसीद अवश्य प्राप्त करनी चाहिए। विभाग द्वारा किसानों को असली और नकली उर्वरकों की पहचान के लिए सरल उपाय भी बताए गए हैं। विभाग के अनुसार असली डीएपी खाद के दानों को चूने के साथ मलने पर तेज अमोनिया जैसी गंध आती है। वहीं तवे पर गर्म करने पर इसके दाने फूल जाते हैं। नकली डीएपी प्राय: कठोर, भूरे अथवा काले रंग की होती है तथा इसके दाने आसानी से नहीं टूटते। यूरिया के असली दाने सफेद, चमकदार तथा एक समान आकार के होते हैं और पानी में पूरी तरह घुल जाते हैं। इसके घोल को छूने पर ठंडक महसूस होती है। वहीं गर्म करने पर असली यूरिया पिघल जाती है, जबकि नकली यूरिया के दाने नहीं पिघलते। सुपर फॉस्फेट की पहचान इसके भूरा-काले रंग तथा कठोर दानों से की जा सकती है। इसके दाने गर्म करने पर नहीं फूलते, जबकि अन्य मिश्रित उर्वरकों में ऐसा देखा जाता है। इसी प्रकार असली पोटाश के दाने खिले-खिले रहते हैं तथा पानी डालने पर आपस में नहीं चिपकते। पानी में घुलने पर इसका लाल भाग ऊपर तैरता दिखाई देता है। जिंक सल्फेट जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों में मिलावट की संभावना अधिक रहती है। इसकी शुद्धता की पहचान रासायनिक परीक्षणों से की जा सकती है। किसानों को संदेह की स्थिति में कृषि विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर जांच कराने की सलाह दी गई है। उप संचालक कृषि ने किसानों से अपील की है कि वे खाद की उपलब्धता या गुणवत्ता को लेकर फैलाए जा रहे भ्रामक प्रचार से बचें और किसी भी प्रकार की शिकायत या संदेह होने पर निकटतम कृषि विभाग कार्यालय, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी अथवा ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी से संपर्क करें।

परंपरा और तकनीक का संगम: किसान भरत बने प्रगतिशील खेती की मिसाल

■ 23 एकड़ में विविध खेती, ड्रिप सिंचाई और जी-9 केले की उन्नत खेती से लिखी सफलता की नई कहानी

बिलासपुर। जिले के मोपका ग्राम के किसान श्री भरत क्षेत्रपाल आज उन प्रगतिशील किसानों में गिने जाते हैं, जिन्होंने अपने अनुभव, नवाचार और मेहनत के बल पर खेती को लाभकारी एवं टिकाऊ व्यवसाय का स्वरूप दिया है। लगभग 30 से 35 वर्षों के कृषि अनुभव के साथ उन्होंने अपनी 23 एकड़ भूमि को विविधतापूर्ण और आधुनिक कृषि का सफल मॉडल बना दिया है। खेती के प्रति समर्पण और दूरदर्शिता ने उन्हें क्षेत्र के किसानों के बीच एक अलग पहचान दिलाई है। वर्षों से खेती करते हुए उन्होंने विभिन्न फसलों के उत्पादन में दक्षता हासिल की है। अरबी (जिमीकंद) और हल्दी उनकी प्रमुख फसलें हैं, जिनकी खेती में उन्हें विशेष सफलता मिली है। इन फसलों के साथ उन्होंने केले की उन्नत खेती को भी अपनाया और उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त किए। वर्तमान में श्री क्षेत्रपाल अपनी 8 एकड़ भूमि पर जी-9 किस्म के केले की खेती कर रहे हैं। उनके खेत में केले की दूसरी फसल सफलतापूर्वक तैयार हो रही है, जो उनकी वैज्ञानिक खेती और बेहतर प्रबंधन क्षमता का प्रमाण है। आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने की उनकी सोच ने उत्पादन और गुणवत्ता दोनों में वृद्धि की है। श्री क्षेत्रपाल अपने खेतों में ड्रिप सिंचाई प्रणाली का उपयोग करते हैं। इस तकनीक से पानी की बचत होने के साथ-साथ फसलों को आवश्यकतानुसार नमी प्राप्त होती है।

खाद की कालाबाजारी पर जिला प्रशासन का शिकंजा

■ अवैध भण्डारण पर कार्रवाई, गोदाम सील और खाद जब्त जिले में खाद-बीज का पर्याप्त भण्डारण

बिलासपुर। खरीफ सीजन को देखते हुए जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग ने खाद की कालाबाजारी, अवैध भण्डारण और निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर बिक्री करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देश पर गठित उड़नदस्ता दल लगातार जिलेभर में छापेमार कार्रवाई कर रहा है। हाल के दिनों में मल्हार और सेन्दरी में की गई कार्रवाई में बड़ी मात्रा में खाद जब्त कर कानूनी कार्रवाई की गई है। विकासखण्ड मस्तूरी के अंतर्गत मल्हार स्थित अग्रवाल खाद भण्डार की जांच के दौरान यूरिया, एनपीके और एसएसपी उर्वरकों का अवैध भण्डारण पाया गया। टीम ने खाद को जब्त कर लिया है तथा संबंधित प्रकरण में अग्रिम कार्रवाई के लिए जिला दण्डाधिकारी न्यायालय में मामला प्रस्तुत किया जा रहा है। इसी प्रकार सेन्दरी स्थित मेसर्स बंसल फर्टिलाइजर में छिपाकर रखी गई खाद को उड़नदस्ता दल ने रात में छापेमार कार्रवाई कर बरामद किया। जांच के दौरान अवैध भण्डारण की पुष्टि होने पर खाद जब्त कर गोदाम को सील कर दिया गया। कृषि विभाग द्वारा जिलेभर में लगातार निगरानी रखी जा रही है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम तथा उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 के तहत कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने किसानों के हित में सभी सहकारी समितियों को अवकाश दिवसों सहित शनिवार एवं रविवार को भी खुला रखने के निर्देश दिए हैं, ताकि किसानों को समय पर खाद उपलब्ध हो सके और उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। जिले को खरीफ सीजन के लिए 68 हजार 950 मीट्रिक टन उर्वरक वितरण का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिसके विरुद्ध अब तक 46 हजार 780 मीट्रिक टन से अधिक खाद का भण्डारण किया जा चुका है। वहीं किसानों को लगभग 19 हजार 913 मीट्रिक टन खाद का वितरण भी किया जा चुका है। वर्तमान में जिले में यूरिया, डीएपी, पोटाश, एनपीके एवं एसएसपी सहित पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध हैं। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष अब तक 10 हजार 711 मीट्रिक टन अधिक खाद का भण्डारण किया गया है। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे केवल पंजीकृत सहकारी समितियों एवं लाइसेंसधारी विक्रेताओं से ही खाद और बीज खरीदें तथा खरीदारी की रसीद अवश्य लें। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिले में खाद और बीज की पर्याप्त उपलब्धता है

बिलासपुर मंडल में अग्नि सुरक्षा जागरूकता एवं फायर फाइटिंग प्रशिक्षण अभियान जारी

बिलासपुर। रेल यात्रियों, रेल संपत्तियों एवं कर्मचारियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल के संरक्षा विभाग द्वारा मंडल के विभिन्न स्टेशनों, लॉबी, रनिंग रूम, ट्रेनों के पैंट्री कार तथा अन्य महत्वपूर्ण कार्यस्थलों पर व्यापक अग्नि सुरक्षा जागरूकता एवं फायर फाइटिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत स्टेशन स्टाफ रनिंग स्टाफ लॉबी एवं रनिंग रूम कर्मचारियों, संविदा (Contractual) सफाई कर्मियों, पैंट्री कार स्टाफ तथा अन्य संबंधित कर्मचारियों को आग लगने की संभावित परिस्थितियों की पहचान, आग की रोकथाम (Prevention of Fire), प्रारंभिक अग्निशमन उपायों एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण के दौरान अग्निशमन यंत्रों (Fire E&tinguishers) के सुरक्षित एवं प्रभावी उपयोग का व्यावहारिक प्रदर्शन (Demonstration) किया गया। प्रतिभागियों को विभिन्न प्रकार की आग के अनुसार उपयुक्त अग्निशमन यंत्र के चयन एवं संचालन की विधि समझाई गई तथा उन्हें स्वयं अग्निशमन यंत्र चलाकर अभ्यास करने का अवसर भी प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त विभिन्न कार्यालयों, लॉबी, रनिंग रूम, पैंट्री कार एवं अन्य परिसरों में उपलब्ध अग्निशमन यंत्रों की स्थिति, वैधता एवं कार्यशीलता की भी जांच की गई, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उनका प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

संरक्षा विभाग द्वारा कर्मचारियों को यह भी बताया गया कि ट्रेनों एवं रेलवे परिसरों में आग की घटनाओं को रोकने हेतु विद्युत उपकरणों का सुरक्षित उपयोग, ज्वलनशील पदार्थों के उचित रख-रखाव, धूम्रपान निषेध नियमों के पालन तथा सुरक्षा मानकों का अनुपालन अत्यंत आवश्यक है। बिलासपुर मंडल का यह प्रयास कर्मचारियों में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने, आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने तथा रेल संचालन को और अधिक सुरक्षित एवं संरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। रेलवे प्रशासन सभी कर्मचारियों एवं यात्रियों से अग्नि सुरक्षा संबंधी नियमों का पालन करने तथा किसी भी असामान्य स्थिति की सूचना तत्काल संबंधित अधिकारियों को देने की अपील करता है।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी लोगों की समस्याएं

अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में लोगों की समस्याएं सुनी। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने उनसे मिलकर निजी एवं सामुदायिक शिकायत संबंधी आवेदन दिया। उन्होंने अधिकांश मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान एडीएम श्री शिवकुमार बनर्जी एवं संयुक्त कलेक्टर श्री अभिषेक दीवान ने भी लोगों की समस्याएं सुनी। जनदर्शन में आज जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। ग्राम पंचायत कर्रा के सरपंच ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए शासकीय भूमि पर प्रस्तावित तालाब निर्माण के लिए चिन्हित स्थल पर बेजा कब्जा को हटाने एवं उचित कार्यवाही की मांग की है। उन्होंने बताया कि कर्रा के निवासी रामकिशन द्वारा अवैध बेजा कब्जा कर तार फेंसिंग से तालाब निर्माण स्थल को घेरा गया है। इसी प्रकार सकरी तहसील क्षेत्र के साईं नगर निवासी 64 वर्षीय दिव्यांग शिव कुमार कुर्रे ने बैटरी चलित ट्राइसाइकिल दिलाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि ट्राइसाइकिल मिलने से आवागमन में सुविधा होगी और दैनिक कार्यों को करने में भी मदद मिलेगी। जनदर्शन में ग्राम पंचायत घुटकू के ग्रामीणों ने लोनिया पारा को वर्तमान निरतु फीडर से अलग कर घुटकू फीडर से जोड़ने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि वर्तमान व्यवस्था के कारण क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति संबंधी समस्याएं बनी रहती हैं, जबकि घुटकू फीडर से जोड़ने पर बेहतर और सुचारू बिजली आपूर्ति मिल सकेगी। वहीं एक अन्य आवेदन में नगर निगम क्षेत्र के चिंगराजपारा निवासी सौरभ रजक ने अपने क्षेत्र के सब्जी मंडी में

सब्जी विक्रय हेतु चबूतरा आबंटन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। मस्तुरी ब्लॉक के ग्राम सरसेनी निवासी गोवर्धन सिंह जगत ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का आवास दिलाने की मांग की।शहर के तिलक राम जोशी ने बैंक ऑफबड़ौदा से पुन: ऋण दिलाने की मांग करते हुए आवेदन सौंपा। उन्होंने बताया कि वे पिछले 10 वर्षों से बैंक के ऋण ग्राहक हैं और पूर्व का लगभग 1.30 लाख रुपये का ऋण ब्याज सहित चुका चुके हैं, इसके बावजूद नया ऋण स्वीकृत नहीं हो पा रहा है। वहीं बिल्हा क्षेत्र के ग्रामीणों ने स्कूल और आंगनबाड़ी के पास संचालित अंडा-मुर्गी दुकान को हटाने की मांग उठाई है। ग्रामीणों ने बताया कि दुकान से निकलने वाली गंदगी स्कूल परिसर तक पहुंच रही है, जिससे विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ग्रामीणों ने मामले की जांच कर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। एक अन्य आवेदन में सकरी तहसील के ग्राम गोबंद निवासी बालमुकुंद गोड़ ने बिसाहू खान द्वारा उनकी भूमि के सामने मकान निर्माण कर मार्ग अवरोध करने की शिकायत की है। कलेक्टर ने जनदर्शन में प्राप्त सभी आवेदनों पर संबंधित विभागों को आवश्यक जांच एवं नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नागरिकों को आश्वस्त किया है कि उनकी समस्याओं का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

विभुवन संकष्टी चतुर्थी भगवान गणेश को समर्पित

हिंदू धर्म में संकष्टी चतुर्थी का बहुत खास महत्व बताया गया है। वहीं, अधिक मास के कृष्ण पक्ष में पड़ने वाली संकष्टी चतुर्थी को विभुवन संकष्टी चतुर्थी के नाम से जाना जाता है। अधिक मास हर 3 साल में एक बार आता है। ऐसे में यह संकष्टी चतुर्थी भी प्रत्येक तीन साल में एक बार आती है। इस दिन भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा की जाती है और व्रत रखा जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से संकटों का नाश होता है और जीवन में सुख-सौभाग्य के संयोग बनते हैं। वहीं, इस बार अधिक मास की संकष्टी चतुर्थी की डेट को लेकर 3 और 4 जून के बीच कंफ्यूजन बनी हुई है। ऐसे में विस्तार से जानें कि विभुवन संकष्टी चतुर्थी कब है, चंद्रोदय का समय, शुभ मुहूर्त और पूजा विधि।

विभुवन संकष्टी चतुर्थी कब है?

पंचांग के अनुसार, अधिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि का आरंभ 3 जून, बुधवार को रात में 9 बजकर 22 मिनट पर होगा। वहीं, अगले दिन यानी 4 जून, गुरुवार को रात में 11 बजकर 31 मिनट तक चतुर्थी तिथि व्याप्त रहेगी। ऐसे में चंद्रोदय का मुहूर्त पहले दिन 3 तारीख को पड़ने से इसी दिन संकष्टी चतुर्थी का व्रत किया जाएगा। क्योंकि इस व्रत में चंद्रमा को अर्घ्य देने का खास महत्व होता है। यही कारण है 4 जून को पूरे दिन चतुर्थी होने के बावजूद 3 जून को ही विभुवन संकष्टी चतुर्थी का व्रत किया जाएगा।

विभुवन संकष्टी चतुर्थी पर चंद्रोदय का समय

संकष्टी चतुर्थी के दिन चंद्रोदय का समय 3 जून के दिन रात में 10 बजकर 4 मिनट का रहेगा। इस समय व्रती चंद्रमा को अर्घ्य दे सकते हैं। ऐसा करने से कुंडली में चंद्रमा की स्थिति भी मजबूत होती है और जीवन में सुख-शांति के संयोग बनते हैं।

विभुवन संकष्टी चतुर्थी का धार्मिक महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन श्रद्धापूर्वक व्रत रखने, गणेश मंत्रों का जप करने तथा रात्रि में चंद्रमा को अर्घ्य देने से सभी प्रकार के कष्ट, बाधाएं और नकारात्मक प्रभाव दूर होते हैं। अधिक मास स्वयं भगवान विष्णु को समर्पित माना जाता है, इसलिए इस मास में किए गए व्रत, दान और पूजा का महत्व और भी बढ़ जाता है।

मान्यता है कि जो भक्त श्रद्धा और नियमपूर्वक इस व्रत का पालन करते हैं, उनके जीवन में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं और उन्हें सुख-शांति, यश, सफलता का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

विभुवन संकष्टी चतुर्थी शुभ मुहूर्त

लाभ चौघड़िया : सुबह 5 बजकर 23 मिनट से लेकर 7 बजकर 7 मिनट तक
अमृत चौघड़िया : सुबह 7 बजकर 7 मिनट से लेकर 8 बजकर 51 मिनट तक
शुभ चौघड़िया : सुबह 10 बजकर 35 मिनट से लेकर 12 बजकर 19 मिनट तक

हेयरफॉल कंट्रोल करने के उपाय

लंबे-घने बाल हर किसी को पसंद होते हैं, लेकिन आजकल तो बालों की हालत खराब होती जा रही है। प्रदूषण, खराब लाइफस्टाइल, खानपान, स्ट्रेस और भी कई चीजें हैं जो बालों की ग्रोथ पर सीधा असर डालती हैं। इनके लिए लोग तरह-तरह के हेयर केयर प्रोडक्ट्स और ट्रीटमेंट्स का सहारा लेते हैं, लेकिन रिजल्ट कुछ खास देखने को नहीं मिलते। ऐसे में काम आते हैं, दादी-नानी के पुराने घरेलू नुस्खे। बालों की ग्रोथ से जुड़ा ऐसा ही एक हैक हम आपके साथ शेयर कर रहे हैं। ये वायरल पोटली बालों की ग्रोथ में मैजिकल काम करती है। लंबे बाल चाहिए, हेयरफॉल कंट्रोल करना है या नए बालों की ग्रोथ चाहिए; ये पोटली आपकी हर प्रॉब्लम का सॉल्यूशन है। इसे बनाना और इस्तेमाल करना भी आसान है और इसके रिजल्ट काफी फास्ट मिलते हैं। आइए जानते हैं कैसे।

लंबे-घने बालों के लिए बनाएं ये जादुई पोटली

कई बार बालों की ग्रोथ रुक सी जाती है। कुछ भी कर लो ये बढ़ने का नाम नहीं लेते। कई बार हेयरफॉल भी इतना होता है कि सिर पर ज्यादा बाल नहीं बचते। ऐसे में आप ये मैजिकल पोटली बनाकर तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आपको एक सूती मलमल का कपड़ा, प्याज, अदरक, लौंग और थोड़ा सा तिल का तेल चाहिए होगा। तिल का तेल नहीं है तो उसकी जगह आप नारियल का तेल भी इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए अब जानते हैं इसे बनाना कैसे है।

हेयर ग्रोथ पोटली बनाने का तरीका

इसके लिए सबसे पहले एक लाल प्याज को कद्दूकस कर लें। साथ ही थोड़ा सा अदरक भी इसी तरह घिस लें। अब एक सूती मलमल का कपड़ा लें, इसमें कद्दूकस की हुई प्याज और अदरक डालें, साथ में 7-8 लौंग भी डालें। इन्हें एक पोटली की तरह बांध लें। अब एक कटोरी में नारियल का या तिल का तेल लें, उसमें इस पोटली को लगभग 1 से 2 घंटे के लिए भिगोकर रख दें।

कब और कैसे इस्तेमाल करना है?

ये हेयर ग्रोथ पोटली आपको बाल धोने से पहले इस्तेमाल करनी है। यानी लगभग हफ्ते में 2 बार आप इसे यूज कर सकते हैं। इसके लिए पोटली को बालों की जड़ों में अच्छी तरह मसाज करें। बीच-बीच में इसे हल्के हाथों से निचोड़ते रहें, ताकि इसका रस बालों में लगे। पूरे बालों में इसे लगाने के बाद हल्के हाथों से भी दो-तीन मिनट के लिए मसाज करें। फिर बालों को लगभग 3 घंटे के लिए ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद किसी भी माइल्ड शैंपू से हेयर वॉश कर लें।

पोटली के फायदे और जरूरी सावधानियां

ये पोटली बालों को नेचुरली लंबा करने में काफी इफेक्टिव है। इसके साथ ही अगर आपके बालों की ग्रोथ नहीं हो रही है, बाल झड़ रहे हैं या काफी रूखे सूखे हो रहे हैं; तो भी ये पोटली आपकी काफी मदद कर सकती है। हालांकि ध्यान रखें इसे इस्तेमाल करने से पहले एक बार पैच टेस्ट जरूर कर लें। खासकर अगर आपकी स्कैल्प सेंसेटिव है, तो हो सकता है ये आपको सूट ना हो।

आज का राशिफल

मेष राशि - आपके लिए भाग्यशाली और नई उम्मीदों से भरा रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के नौवें भाव में मौजूद रहेंगे। आपके करियर में सीनियर्स का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे आपके रुके हुए काम समय पर पूरे होंगे। आपके बिजनेस में बड़ा आर्थिक लाभ होने के योग बन रहे हैं और नए सौदे आपके पक्ष में आ सकते हैं। आपकी लव लाइफ में आपसी तालमेल बहुत ही शानदार रहने वाला है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

वृषभ राशि - थोड़ा संभलकर और सतर्कता से चलने का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के आठवें भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर में काम की अधिकता के कारण आपको मानसिक तनाव और दबाव महसूस हो सकता है, इसलिए दफ्तर की राजनीति से दूर रहें। आपके बिजनेस में पैसों के लेन-देन में बहुत सावधानी बरतने की जरूरत है, किसी पर भी आंख मूंदकर भरोसा न करें। आपकी लव लाइफ में साथी के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है।

मिथुन राशि - खुशियों की सौगात और सफलता लेकर आएगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के सातवें भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर में पदोन्नति के साथ-साथ नई और बड़ी जिम्मेदारियां मिलने के प्रबल योग बन रहे हैं। आपके बिजनेस में पार्टनरशिप के कामों से बड़ा मुनाफा हाथ लगेगा और नए ग्राहकों से आपके संबंध मजबूत होंगे। आपकी लव लाइफ में रोमांस बढ़ेगा और जीवनसाथी के साथ शाम को किसी खूबसूरत जगह पर जाने का मौका मिलेगा।

कर्क राशि - कड़ी मेहनत और सूझबूझ से आगे बढ़ने का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के छठे भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर में आपके विरोधी सक्रिय हो सकते हैं, लेकिन आपकी बुद्धिमानी के आगे उनकी एक नहीं चलेगी। आपके बिजनेस में चल रही मंदी कल दूर होगी और आपको नए आर्डर मिलने से आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आपकी लव लाइफ में पार्टनर का रवैया थोड़ा उदासीन रह सकता है, इसलिए उनके साथ बैठकर बातचीत से मसला सुलझाएं।

सिंह राशि - आपके लिए मान-सम्मान और रचनात्मकता में वृद्धि का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के पांचवें भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर में आपके नए विचारों और कार्यशैली की सराहना होगी, जिससे दफ्तर में आपका रुतबा बढ़ेगा। आपके बिजनेस में अचानक कहीं से बड़ा धन लाभ हो सकता है, जिससे आपकी पुरानी योजनाएं दोबारा गति पकड़ेंगी।

कन्या राशि - आपके लिए सुख-सुविधाओं और थोड़ा भागदौड़ से भरा रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के चौथे भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर में जिम्मेदारियां बढ़ने से घर और दफ्तर के बीच संतुलन बनाने में थोड़ी परेशानी हो सकती है। आपके बिजनेस में पैतृक संपत्ति या भूमि-भवन से जुड़े मामलों में बड़ा आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आपकी लव लाइफ में परिवार के हस्तक्षेप के कारण थोड़ा तनाव हो सकता है, लेकिन पार्टनर आपका पूरा साथ देगा।

तुला राशि- आपके लिए पराक्रम और आत्मविश्वास में बढ़ोतरी का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के तीसरे भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर में सहकर्मियों के सहयोग से कोई जटिल प्रोजेक्ट आसानी से पूरा हो जाएगा, जिससे आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आपके बिजनेस के सिलसिले में की गई यात्राएं बहुत ही लाभदायक और भविष्य के लिए नई राह खोलने वाली साबित होंगी।

वृश्चिक राशि - आपके लिए आर्थिक समृद्धि और खुशियां लेकर आएगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के दूसरे भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर में आपकी वाणी और व्यवहार कुशलता से नए रास्ते खुलेंगे, नौकरी में वेतन वृद्धि की बात आगे बढ़ सकती है। आपके बिजनेस में पैसों की आवक बहुत अच्छी रहने से आपका बैंक बैलेंस बढ़ेगा और आप नया निवेश कर सकते हैं। आपकी लव लाइफ में मधुरता बनी रहेगी, परिवार के साथ मांगलिक कार्यों में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

धनु राशि- आत्मविश्लेषण और नई शुरुआत का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के पहले भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर में आपकी निर्णय लेने की क्षमता में बड़ा सुधार होगा, जिससे कार्यक्षेत्र में आपको बड़ी सफलता मिल सकती है। आपके बिजनेस में आपकी योजनाएं सटीक बैठेंगी, जिससे बाजार में आपकी साख और मुनाफा दोनों में बढ़ोतरी होगी। आपकी लव लाइफ में साथी के प्रति आपका आकर्षण और विश्वास बढ़ेगा, जिससे रिश्ते में नयापन आएगा।

मकर राशि -आपके लिए खर्चों में वृद्धि और थोड़ी सावधानी बरतने का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के बारहवें भाव में गोचर करेंगे। आपके करियर में विदेश से जुड़े कामों में तो सफलता मिलेगी, लेकिन दफ्तर में किसी भी तरह के विवाद से बचना ही समझदारी होगी। आपके बिजनेस में कोई भी नया निवेश करने से कल बचें, अन्यथा आपको आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

कुंभ राशि- शानदार सफलताओं और लाभ कमाने का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के ग्यारहवें भाव में गोचर कर रहे हैं। आपके करियर में मनचाही प्रगति होगी और लंबे समय से रुका हुआ प्रमोशन कल आपको मिल सकता है। आपके बिजनेस में आय के नए स्रोत बनेंगे, जिससे आर्थिक स्थिति उम्मीद से कहीं ज्यादा मजबूत और बेहतर हो जाएगी।

मीन राशि- करियर में नई ऊंचाइयां छूने और मान-सम्मान पाने का रहेगा, क्योंकि चंद्रमा आपकी राशि के दसवें भाव में गोचर कर रहे हैं। आपके करियर में आपकी मेहनत का पूरा फल मिलेगा और उच्च अधिकारी आपके काम से प्रभावित होकर बड़ी जिम्मेदारी सौंप सकते हैं। आपके बिजनेस में पिता या किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह से बड़ा मुनाफा हाथ लगेगा जिससे आपकी चिंताएं दूर होंगी।

कूलर की सफाई और एयरफ्लो पर ध्यान देना जरूरी

गर्मियों में कूलर राहत जरूर देता है, लेकिन कई बार यही कूलर पूरे कमरे का माहौल खराब कर देता है। जैसे ही कूलर ऑन होता है, एक अजीब सी सीलन, बदबू या बासी गंध कमरे में फैलने लगती है। कई लोग तुरंत समझ लेते हैं कि शायद पानी खराब हो गया है। वे अक्सर टैंक खाली करके नया पानी भर देते हैं। लेकिन हर बार समस्या सिर्फ पानी नहीं होती। कई मामलों में कूलिंग पैड्स, टैंक में जमी गंदगी, फंगस या लंबे समय तक बनी नमी भी जिम्मेदार हो सकती है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि एयर कूलर लगातार पानी और नमी के संपर्क में काम करते हैं, इसलिए उनकी सफाई और एयरफ्लो पर ध्यान देना बेहद जरूरी होता है।

सिर्फ पानी बदलने से समस्या खत्म नहीं होती: बहुत लोग सोचते हैं कि बदबू का मतलब सिर्फ बासी पानी है। जबकि कई बार नया पानी डालने के बाद भी बदबू बनी रहती है। इसकी वजह यह हो सकती है कि कूलर के अंदर पहले से जमी गंदगी और बैक्टीरिया साफ नहीं हुए हों। अगर टैंक लंबे समय तक बिना सफाई के इस्तेमाल हो, तो उसके कोनों में पतली परत जैसी गंदगी जम सकती है। यही धीरे-धीरे बदबू की वजह बनती है।

गंदे कूलिंग पैड्स भी बन सकते हैं बड़ी वजह: कूलिंग पैड्स लगातार गीले रहते हैं, इसलिए उनमें धूल, नमी और छोटे बैक्टीरिया जमा होने लगते हैं। अगर पैड्स लंबे समय तक साफ न किए जाएं, तो उनमें सीलन जैसी गंध आने लग सकती है। सिर्फ बाहर से कूलर धो देते हैं, लेकिन पैड्स की सफाई नजरअंदाज कर देते हैं। यही वजह है कि कूलर ऑन करते ही हवा के साथ बदबू पूरे कमरे में फैलने लगती है।

लंबे समय तक जमा नमी भी बढ़ाती है परेशानी: अगर कूलर लगातार बंद कमरे में चलता रहे या इस्तेमाल के बाद ठीक से सूख न पाए, तो अंदर नमी बनी रह सकती है। ऐसी जगहों पर फंगस और बदबू पैदा करने वाले माइक्रोब्स तेजी से बढ़ सकते हैं। खासतौर पर सीजन खत्म होने के बाद अगर कूलर बिना सुखाए स्टोर कर दिया जाए, तो अगली गर्मियों में पहली बार चलाते ही तेज बदबू महसूस हो सकती है।

गर्मी की छुट्टियों में बच्चों को क्या सिखाएं?

गर्मी की छुट्टियां शुरू हो चुकी हैं और 15 जून 2026 तक स्कूल बंद रहेंगे। ऐसे में बच्चों के लिए यह समय केवल आराम करने का नहीं, बल्कि कुछ नया सीखने और खुद को बेहतर बनाने का भी है। गर्मी की छुट्टियां बच्चों के लिए आनंद, उत्साह और नए अनुभवों का समय होती हैं। इस दौरान बच्चे अपनी रुचियों को पहचान सकते हैं, नई आदतें सीख सकते हैं और परिवार के साथ अच्छा समय बिता सकते हैं। बच्चों को किताबें पढ़ने, नई भाषा सीखने, चित्रकारी, संगीत, बागवानी और पाक कला जैसी एक्टिविटी से जुड़ने की सलाह दी है।

अक्सर बच्चे गर्मी की छुट्टियों में पूरा समय मोबाइल, टीवी या वीडियो गेम में बिताने लगते हैं। लेकिन अगर इस समय का सही इस्तेमाल किया जाए तो यही छुट्टियां बच्चों के व्यक्तित्व विकास में बहुत मदद कर सकती हैं। यह समय नई चीजें सीखने और खुद को पहचानने का सबसे अच्छा मौका है। पैरेंट्स को चाहिए कि वे बच्चों को उनकी पसंद के अनुसार एक्टिविटीज में शामिल करें। इससे बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है और उनकी सोच भी क्रिएटिव बनती है।

गर्मी की छुट्टियों में बच्चे कोई नई भाषा, कंप्यूटर स्किल या हॉबी सीख सकते हैं। आजकल ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह के छोटे-छोटे कोर्स उपलब्ध हैं। इससे बच्चों का दिमाग एक्टिव रहता है और उनका समय भी सही दिशा में जाता है।अगर बच्चा ड्राइंग पसंद करता है तो उसे आर्ट क्लास दिलाई जा सकती है। वहीं संगीत, डांस या फोटोग्राफी जैसी एक्टिविटीज भी बच्चों की प्रतिभा को निखारने में मदद करती हैं। बच्चों को अच्छी पुस्तकों से मित्रता करने की भी सलाह दी है। किताबें बच्चों की सोच को गहरा बनाती हैं और उनकी भाषा बेहतर करती हैं। पैरेंट्स रोज थोड़ा समय बच्चों के साथ बैठकर कहानी या ज्ञानवर्धक किताबें पढ़ सकते हैं। इससे बच्चों में पढ़ने की आदत विकसित होती है।

मिंट वाटर से पेट रहेगा फिट

गर्मी के मौसम में पानी ज्यादा से ज्यादा पीने की सलाह दी जाती है। इस मौसम में पेट से जुड़ी बीमारियां भी बहुत बढ़ जाती हैं और हीटवेव के कारण भी कई दिक्कतें होती हैं। ऐसे में हर कोई खान-पान की ऐसी चीजों को खोजते जो ठंडी हों। गर्मियों में होने वाली दिक्कतों से बचना चाहते हैं और हेल्दी रहना चाहते हैं तो गर्मी में पुदीने वाला पानी पीना शुरू करें। पुदीना का पानी पीने से शरीर को कई फायदे मिलते हैं। गर्मियों में पसीना बहुत ज्यादा आता है, ऐसे में इनफ्यूज्ड वाटर पीने से सेहत और त्वचा दोनों को फायदा मिलता है। यहां हम मिंट वाटर से मिलने वाले हैरान कर देने वाले फायदे बता रहे हैं।

डाइजेशन बढ़ाता है
पुदीने की पत्तियों को पानी में मिलाने से एक ताजा, प्राकृतिक स्वाद मिलता है, जिससे बिना चीनी मिलाए रोजाना की पानी की जरूरत को पूरा करना आसान हो जाता है।

पाचन में मददगार
पुदीने में मेन्थॉल होता है, जो पेट की मांसपेशियों को आराम देने में मदद करता है। यह अपच, गैस और पेट फूलने से राहत दिलाने में बहुत मददगार होता है।

फ्रेश सांस
पुदीने में नेचुरल जीवाणुरोधी गुण होते हैं। इसका ठंडा मेन्थॉल मुंह के बैक्टीरिया को खत्म करने और सांसों की बदबू से लड़ने में मदद करते हैं।

वेट मैनेज करने में मददगार
मीठे सोडा या हाई कैलोरी वाली ड्रिंक्स की जगह पुदीने का पानी पीने से कैलोरी कम होती है और आपको संतुष्टि मिलती है। ये ड्रिंक वजन मैनेज करने के लिए बेहतरीन होती है।

पुदीने की पत्तियों में विटामिन ए और सी के अलावा एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो आपके शरीर को ऑक्सीडेटिव तनाव से बचाते हैं और आपकी ओवरऑल इम्यूनिटी को बढ़ाने में मदद करते हैं।

पुदीने की नेचुरल खुशबू मन को शांत करने के लिए जानी जाती है, जबकि मेन्थॉल का ठंडा प्रभाव हल्के सिरदर्द के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है। पुदीने में हल्की खुशबू होती है जो दिमाग शांत करने में मदद करती है और इससे मूड बेहतर हो जाता है।

कैसे बनाएं पुदीने का पानी
पुदीने का पानी झटपट बनाने के लिए मुट्ठी भर फ्रेश धुली हुई पुदीने की पत्तियों को हल्का सा मसलकर एक जग या एक गिलास पानी में डाल दें। इसे कुछ घंटों के लिए फ्रिज में रख दें। स्वाद और हेल्थ बेनिफिट्स बढ़ाने के लिए आप इसमें खीरे के टुकड़े, नींबू या थोड़ा सा अदरक भी मिला सकते हैं।

किस दिशा में रखें चांदी या पीतल के हाथी की मूर्ति?

सनातन धर्म में वास्तु शास्त्र का बेहद खास महत्व है। वास्तु से जुड़े नियम का पालन करने से घर में सुख-शांति बनी रहती है और नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है। वास्तु शास्त्र में हाथी को ऐश्वर्य, शक्ति, ज्ञान, धैर्य और सौभाग्य का प्रतीक माना गया है। इसका संबंध महादेव के पुत्र गणपति बप्पा से है। घर में चांदी या पीतल के हाथी की मूर्ति रखने से सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। ऐसे में आइए इस आर्टिकल में आपको बताते हैं घर में चांदी या पीतल के हाथी की मूर्ति रखने की सही दिशा और नियम के बारे में।

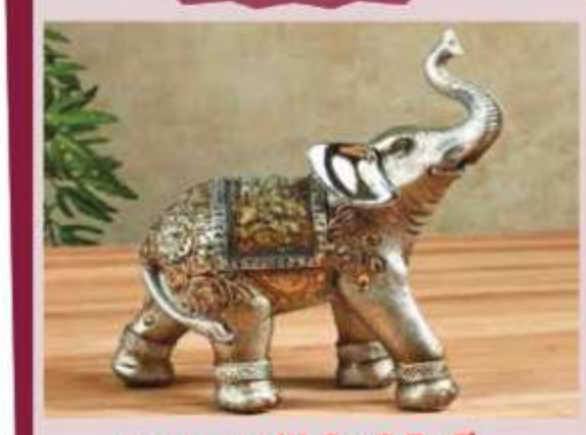

मुख्य द्वार पर रखें ऐसी हाथी की मूर्ति

अगर आप घर के मेन गेट पर हाथी की मूर्ति रखने का विचार बना रहे हैं तो ऐसी मूर्ति लें जिसमें हाथी सूंड उठाए हुए हो। इस प्रकार की प्रतिमा को विजय और संपन्नता का प्रतीक माना जाता है। अगर आप मुख्य द्वार पर हाथी की मूर्ति या चित्र लगाते हैं, तो इससे घर में हमेशा सकारात्मकता बनी रहती है और नकारात्मक ऊर्जा दूर होने लगती है।

इनकम बढ़ाने के लिए रखें ऐसी मूर्ति

अगर आप घर या बिजनेस में धन से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तो उसके लिए हाथी की मूर्ति रख सकते हैं। उत्तर दिशा की ओर चांदी के हाथी रखने बहुत शुभ माने जाते हैं। ऐसा करने से आपके कारोबार और जीवन में आ रही बाधाएं दूर हो सकती हैं। साथ ही, घर की आर्थिक स्थिति मजबूत होने लगती है और इनकम बढ़ने की भी संभावनाएं बढ़ती हैं। आप अपने सामर्थ्य के अनुसार, छोटी या बड़ी चांदी के हाथी की मूर्ति को रख सकते हैं। इसके अलावा, इसे लाल वस्त्र में बांधकर धन रखने वाले स्थान पर भी रख सकते हैं। इससे कर्ज से मुक्ति मिल सकती है और धन लाभ के योग बनते हैं।

हमेशा जोड़े में रखें हाथी

कभी भी हाथी की एक मूर्ति या ऐसी प्रतिमा नहीं लेनी चाहिए जिसमें एक हाथी हो। इसकी बजाए हमेशा हाथी की मूर्ति जोड़े में ही खरीदनी चाहिए और इसे घर में या मुख्य द्वार पर रख सकते हैं। फेंगशुई के अनुसार, इस प्रकार हाथी की प्रतिमा रखने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है और जातक के मान-सम्मान में भी वृद्धि होती है। अगर हाथी की मूर्ति रखते वक्त इस खास बात का ख्याल रखते हैं, तो जीवन में सफलता के मार्ग खुलते हैं और जातक का अच्छा समय शुरू हो सकता है। आप अपने सामर्थ्य के अनुसार, घर में चांदी, पीतल, पत्थर, लकड़ी आदि की मूर्ति लाकर रख सकते हैं।

अंधड़, तूफान और बारिश के बावजूद नहीं रुकी विकास की रफ्तार, मुख्यमंत्री ने जिला पंचायत सभाकक्ष मे अपने उदबोधन मे शामिल किया लोकार्पण

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बेमेतरा को दी 105 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

- **एक दिवसीय प्रवास के दौरान 18 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन, सड़क, स्वास्थ्य, बाल संरक्षण और अधोसंरचना विकास को मिली नई गति**

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने एक दिवसीय बेमेतरा प्रवास के दौरान जिले को विकास की बड़ी सौगात देते हुए 105 करोड़ 4 लाख 69 हजार रुपये की लागत के 18 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करते हुए कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य विकास की रोशनी को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।मुख्यमंत्री ने 78 करोड़ 1 लाख 33 हजार रुपये की लागत से बनने वाले 13 विकास कार्यों का भूमिपूजन तथा 27 करोड़ 3 लाख 36 हजार रुपये की लागत से निर्मित 5 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। उल्लेखनीय है कि इन विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम मूलतः बेसिक स्कूल मैदान में आयोजित किया जाना था, किंतु अचानक आए अंधड़, तेज तूफान एवं बारिश के कारण सुरक्षा की दृष्टि से कार्यक्रम स्थल में परिवर्तन किया गया। इसके बाद जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से मुख्यमंत्री ने सभी विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन संपन्न कराया। मुख्यमंत्री साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्राकृतिक परिस्थितियां चाहे जैसी भी हों, जनता के विकास और जनकल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता अडिग है। उन्होंने कहा कि आज मौसम की प्रतिकूलता के कारण कार्यक्रम स्थल में परिवर्तन करना पड़ा, लेकिन विकास कार्यों के शुभारंभ में किसी प्रकार की बाधा नहीं आने दी गई। यह सरकार की विकास के प्रति दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रतीक है।मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास कार्य केवल निर्माण परियोजनाएं नहीं हैं, बल्कि आमजन के जीवन को बेहतर बनाने का माध्यम हैं। सड़क, स्वास्थ्य, पेयजल, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं का सीधा लाभ नागरिकों तक पहुंचना चाहिए और सरकार इसी दिशा में लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य प्रत्येक गांव, प्रत्येक किसान, प्रत्येक महिला और प्रत्येक जरूरतमंद परिवार तक विकास का लाभ पहुंचाना है। बेमेतरा जिले के लिए स्वीकृत ये परियोजनाएं आने वाले वर्षों में क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को नई दिशा देंगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सड़कें केवल आवागमन का साधन नहीं बल्कि विकास की जीवनरेखा होती हैं। बेहतर सड़क संपर्क से शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, व्यापार और रोजगार के नए अवसर सृजित होते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गांवों को शहरों से और किसानों को बाजारों से जोड़ने के लिए सड़क अधोसंरचना के विस्तार पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि बेमेतरा जिले में स्वीकृत इन परियोजनाओं से हजारों ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा तथा क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा और गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूर्ण किए जाएं। मुख्यमंत्री ने 78 करोड़ 1 लाख 33 हजार रुपये की लागत से बनने वाले 13 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इनमें बेरला-कोदवा-देवरबीजा-कर्मु मार्ग का दो-लेन मजबूतीकरण, भेड़नी-सल्धा-सिंघोरी मार्ग, बहिंगा-तिवरैया-सिमगा पहुंच मार्ग, सोढ़-रेवे-देवरबीजा-अकोला-खाती-सौरी मार्ग, मुड़पार खुर्द-जमघट पहुंच मार्ग, मिशन वात्सल्य अंतर्गत बाल संप्रेषण गृह निर्माण, नगर सेना प्रशासकीय भवन निर्माण, गुदेली-कंडरका मार्ग सहित विभिन्न ग्रामों में सीसी रोड, नाली एवं सामुदायिक अधोसंरचना निर्माण कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने 27 करोड़ 3 लाख 36 हजार रुपये की लागत से पूर्ण हुए 5 विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया। इनमें नवनिर्मित हमर क्लिनिक, बोर खनन कार्य तथा विभिन्न सड़क निर्माण परियोजनाएं शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार नए स्वास्थ्य केंद्रों और चिकित्सा अधोसंरचना का विकास किया जा रहा है। हमर क्लिनिक जैसी सुविधाएं लोगों को उनके क्षेत्र में ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएंगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में विकास के नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं। राज्य सरकार का संकल्प है कि विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचे और कोई भी क्षेत्र विकास की मुख्यधारा से वंचित न रहे।

मुख्यमंत्री के स्वागत में लापरवाही पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह कलेक्टर-एसपी पर भड़के

सीएम और दो डिप्टी सीएम समेत पूरी कैबिनेट की मौजूदगी में कलेक्टर-एसपी को लगाई फटकार

बेमेतरा। बेमेतरा जिला मुख्यालय में आयोजित सामूहिक विवाह के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के स्वागत में लापरवाही पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह कलेक्टर-एसपी पर जमकर नाराजगी जाहिर की। डाक्टर रमण सिंह ने मंच से ही उन्होंने कलेक्टर-एसपी कड़ी फटकार लगाई। छत्तीसगढ़ बेमेतरा जिले में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 24 जोड़ों का विवाह सम्पन्न हुआ। इस मौके पर स्पीकर व पूर्व मुख्यमंत्री डा रमन सिंह, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व पूरा मंत्रिमंडल शामिल हुआ। वीवीआईपी प्रवास वाले आयोजन में अव्यवस्था को लेकर विधानसभा अध्यक्ष डा रमन सिंह खुलकर अपनी नाराज़गी जताते हुए कलेक्टर व एसपी की जमकर खिंचाई की। डा रमन सिंह की नाराजगी का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर तेजी के साथ वायरल हो रहा है। बीते 31 मई को बेमेतरा के विधायक सहित 24 जोड़ों का विवाह सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, मुख्मंत्री विष्णुदेव साय और पूरा मंत्रिमंडल ने शामिल हुए। किंतु वीवीआईपी प्रवास वाले आयोजन में जिस तरह की अव्यवस्था नजर आई और आपाधापी मची यह किसी से छिपी हुई नहीं थी अव्यवस्था और नाराजगी को लेकर विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह की नाराजगी सामने आई वैसे तो सार्वजनिक कार्यक्रमों में सौम्य और बेहद शांत रहने वाले पूर्व सीएम डा रमन सिंह बेमेतरा की अवस्था को लेकर जमकर नाराज हुए। उनका गुस्सा सीधे जिले के कलेक्टर व एसपी पर उतरा। विधानसभा अध्यक्ष डॉ सिंह ने कहा, मुख्यमंत्री की गरिमा के अनुरुप यह कार्यक्रम नहीं हुआ। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर तेजी के साथ वायरल हो रहे वीडियो में डॉ रमन सिंह बोलते सुनाई दे रहे हैं, मुख्यमंत्री और दो-दो उपमुख्यमंत्री यहां मौजूद हैं, लेकिन उनकी गरिमा के अनुरूप यह कार्यक्रम आयोजित नहीं किया गया है। सीधे शब्दों में उन्होंने कहा,'यह कोई तरीका नहीं है, मुख्यमंत्री जी का पीछे से स्वागत किया जाए। नाराज स्पीकर ने कहा, ढाई घंटे में भी प्रशासन एक वैकल्पिक जगह नहीं ढूंढ पाया। अपने 15 साल के मुख्यमंत्री कार्यकाल का हवाला देते हुए कहा, वे इस राज्य के 15 साल तक मुख्यमंत्री रहे, जो कुछ दिखाई दे रहा है, ऐसी अव्यवस्था नहीं देखी है। डॉ. रमन सिंह बोले मुख्यमंत्री की गरिमा के अनुरुप यह कार्यक्रम नहीं है, कलेक्टर-एसपी को साफ साफ कहना चाहता हूं, यह तरीका नहीं है, सीएम का पीछे से स्वागत किया जाए, इतना भी जानकारी शायद इनको नहीं है, पूरा मंत्रिमंडल यहां बैठे हुए हैं, आमतौर पर ऐसे माहौल में मैं बोलता नहीं हूं, इसलिए बोलना पड़ा, शायद बोलने से सीख जाएं। सीएम और पूरा मंत्रिमंडल बैठे हुए हैं इसके बाद भी प्रशासन गंभीर नहीं है। यह घोर लापरवाही है। बता दें कि बेमेतरा शहर के बेसिक स्कूल ग्राउंड में मुख्यमंत्री कन्या विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें बेमेतरा के भाजपा विधायक दीपेश साहू ने तरुणा साहू के साथ सात फेरे लिए। उनके साथ 23 अन्य जोड़ों ने भी विवाह रचाया। ऐसा पहली बार है कि प्रदेश में किसी विधायक ने सामूहिक विवाह में सात फेरे लिए है। बाराती बैलगाड़ी से आयोजन स्थल तक पहुंचे। डिप्टी सीएम अरुण साव इस बैलगाड़ी को हांक रहे थे। इस कार्यक्रम में सीएम विष्णुदेव साय, डिप्टी सीएम विजय शर्मा पूरा मंत्रिमंडल शामिल हुआ।

राष्ट्रीय आम महोत्सव में पर्यावरण प्रेमी संगठन सम्मानित

बेमेतरा। राजधानी रायपुर स्थित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय आम महोत्सव के समापन अवसर पर पर्यावरण प्रेमी संगठन बेमेतरा छत्तीसगढ़ को 1000 आम की गुठली, राष्ट्रीय स्तर व उच्च क्वालिटी के आम के पौधे और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मान के पूर्व कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने पर्यावरण प्रेमी संगठन बेमेतरा छत्तीसगढ़ के पदाधिकारी से परिचय प्राप्त किया।

जबकि कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉक्टर वर्णिका शर्मा और आम महोत्सव के आयोजक सदस्य मोहन वल्यानी के द्वारा पर्यावरण प्रेमी संगठन को पर्यावरण के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर के प्रसिद्ध व उच्च क्वालिटी के आम के पौधे देकर सम्मानित किया गया। संस्था की ओर से प्रांताध्यक्ष गणेश साहू बेमेतरा के जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार साहू सचिव गणेश साहू सदस्य गण ओमकार साहू डिकेंद्र साहू साकेत साहू ऋषभ साहू हेमा साहू सहित विद्याभूषण दुबे ने अतिथियों के हाथों सम्मान ग्रहण किया।

पर्यावरण के प्रति संगठन की लगनशीलता को देखते हुए इस अवसर पर अतिथियों के द्वारा संगठन को 1000 आम की गुठली भी दी गई। बेमेतरा के अध्यक्ष साहू ने बताया कि 1000 आम की गुठलियों को पौधे के रूप में विकसित कर उन्हें ग्राम पंचायत कठिया के साथ-साथ जरूरतमंद लोगों को निशुल्क वितरण किया जाएगा। साथ ही बेमेतरा कलेक्टर से चर्चा उपरांत यथासंभव एक दो पंचायत में आम बगीचा का भी निर्माण किए जाने का प्रयास किया जाएगा। प्रदेश के प्रतिष्ठित मंच से सम्मानित होने पर संगठन के संस्थापक आर डी दाहिया, वेदव्यास मिश्रा और आर आर वैष्णव ने प्रशन्नता जाहिर करते हुए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति उद्यानिकी विभाग के संचालक और प्रकृति की ओर सोसाइटी के प्रति आभार व्यक्त किया है।

पखवाड़ेभर से वार्ड 9 में पेयजल व्यवस्था ठप्प, नागरिकों ने घेराव एवं चक्काजाम की चेतावनी

कांग्रेसनेता टिंकू देवांगन के अगुवाई में दिया 2 दिनों का अल्टीमेटम

डोंगरगांव नगर । नगर के ग्रामीण वार्ड 09 करियाटोला में पखवाड़ेभर से पेयजल आपूर्ति बाधित है। पेयजल संकट से वार्डवासियों में आक्रोश व्याप्त है। कांग्रेसनेता टिंकू देवांगन के नेतृत्व में वार्डवासियों ने सीएमओ को ज्ञापन सौंपकर तत्काल पेयजल व्यवस्था बहाल करने की मांग की है। 2 दिनों का अल्टीमेटम देते हुए व्यवस्था नहीं सुधरने पर घेराव एवं चक्काजाम की चेतावनी दी है। वार्डवासियों के ज्ञापन मुताबिक वार्ड 9 में पिछले लगभग 15 दिनों से पेयजल आपूर्ति पूरी तरह ठप्प है। नागरिकों को पीने के पानी एवं दैनिक उपयोग के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सर्वाधिक दिक्कत महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को उठानी पड़ रही है, जिन्हें पानी के लिए इधर उधर भटकना पड़ रहा है। ज्ञापन सौंपने पहुंचे वार्डवासी शोभराय साहू ने कहा कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा से नागरिकों को वंचित रखना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर समस्या का समाधान करने की मांग की। वार्डवासियों ने 2 दिवस में पेयजल व्यवस्था में सुधार नहीं होने पर नगर पालिका डोंगरगांव के घेराव एवं चक्काजाम की चेतावनी दी है। इस दौरान युवा कांग्रेस नेता टिंकू देवांगन, शोभराय साहू, खेलन साहू, सगम साहू, नवीन साहू, डाकेश साहू, योगेश राम, कोमल राजपूत, गणपत साहू, आनंद मंडलोई, दीपक साहू, शिवचरण निषाद, ढालेंद्र कुमार, दुर्गेश ठाकुर सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी शामिल थे।

धनेश रजक जिले के अत्यंत सक्रिय, नवाचारी एवं बहुमुखी प्रतिभा के धनी : प्राचार्य घृतलहरे

बाल साहित्य नन्हे बच्चों की 20 मीठी-मीठी कविताएं का गरिमामय विमोचन

बेमेतरा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) बेमेतरा में बाल साहित्य के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उपलब्धि के रूप में नन्हे बच्चों की 20 मीठी-मीठी कविताएं पुस्तक का गरिमामय विमोचन डाइट प्राचार्य जे के घृतलहरे एवं उप प्राचार्य तथा पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी डॉ कमल कपूर बंजारे के करकमलों से संपन्न हुआ। यह पुस्तक धनेश रजक, प्रधान पाठक, शासकीय प्राथमिक शाला खपरी घोबी, विकासखंड साजा द्वारा स्व रचित है। कार्यक्रम का शुभारंभ लेखक धनेश रजक द्वारा अतिथियों के स्वागत सम्मान से हुआ। उन्होंने प्राचार्य जे के घृतलहरे एवं उप प्राचार्य डॉ कमल कपूर बंजारे का पुष्पगुच्छ एवं पुष्पमाला से आत्मीय स्वागत किया तथा भारतीय संस्कृति के अनुरूप शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। विमोचन अवसर पर डाइट प्राचार्य जे के घृतलहरे ने लेखक धनेश रजक को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि वे जिले के अत्यंत सक्रिय, नवाचारी एवं बहुमुखी प्रतिभा के धनी प्रधान पाठक हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षण कार्य के साथ-साथ साहित्य सृजन के माध्यम से बच्चों के लिए उपयोगी एवं मूल्यपरक सामग्री तैयार करना अत्यंत सराहनीय कार्य है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पुस्तक बच्चों में पठन पाठन के प्रति रुचि बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उप प्राचार्य एवं पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी डॉ कमल कपूर बंजारे ने अपने उदबोधन में कहा कि शिक्षकों द्वारा साहित्य लेखन समाज एवं शिक्षा जगत के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने धनेश रजक के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे बाल साहित्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान बताया। डाइट व्याख्याता थलज कुमार साहू ने कहा कि बच्चों के स्तर को ध्यान में रखकर लिखी गई यह पुस्तक निश्चित रूप से विद्यार्थियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। उन्होंने धनेश रजक को एक उत्कृष्ट नेतृत्वकर्ता, सृजनशील साहित्यकार एवं समर्पित प्रधान पाठक बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। व्याख्याता थलज कुमार साहू ने कहा कि नन्हे बच्चों की 20 मीठी-मीठी कविताएं बाल साहित्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान है। यह पुस्तक बच्चों के सर्वांगीण विकास, भाषा कौशल एवं रचनात्मकता को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होगी। पुस्तक विमोचन के पश्चात डाइट प्राचार्य एवं उप प्राचार्य ने लेखक धनेश रजक को मिठाई खिलाकर उनका मुंह मीठा कराया तथा आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं प्रदान की। इस अवसर पर प्राचार्य ने पुस्तक की एक प्रति पर अपने हस्ताक्षर अंकित कर लेखक को भेंट की, जो कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा। कार्यक्रम का एक विशेष एवं भावपूर्ण क्षण तब आया जब धनेश रजक ने अपनी नव प्रकाशित पुस्तक में शामिल एक कविता को गीत के रूप में मधुर स्वर में प्रस्तुत किया। उनकी प्रस्तुति ने उपस्थित सभी शिक्षकों, व्याख्याताओं एवं कर्मचारियों का मन मोह लिया। पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा और उपस्थित जनों ने उनके साहित्यिक सृजन का भरपूर सम्मान एवं उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का प्रभावशाली मंच संचालन शिक्षक व कवि कमल किशोर शर्मा द्वारा किया गया। उन्होंने अपने सहज एवं प्रभावी संचालन से कार्यक्रम को गरिमामय स्वरूप प्रदान किया। उपस्थित सभी व्याख्याताओं, शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं ने पुस्तक की विषयवस्तु, आकर्षक रंगीन प्रस्तुति तथा बालोपयोगी कविताओं की मुक्तकंठ से प्रशंसा की।

जनता के प्रति संवेदनशीलता ही सुशासन की सबसे बड़ी कसौटी : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

- **मुख्यमंत्री हेल्पलाइन बनेगी जनसमस्याओं के समाधान का सशक्त मंच, अधिकारियों को जवाबदेह और संवेदनशील बनने के निर्देश**

बेमेतरा में संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक, विकास योजनाओं से लेकर कानून-व्यवस्था तक की हुई गहन समीक्षा

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि शासन-प्रशासन की सफलता का वास्तविक पैमाना जनता के प्रति उसकी संवेदनशीलता, जवाबदेही और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता है। अधिकारी आमजन की समस्याओं को केवल सुनें ही नहीं, बल्कि उनका त्वरित और प्रभावी निराकरण भी सुनिश्चित करें। जनता को शासकीय कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें, यह प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री साय अपने एक दिवसीय बेमेतरा प्रवास के दौरान जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित किये। बैठक में बेमेतरा, दुर्ग, राजनांदगांव, कबीरधाम तथा खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में विभिन्न विकास योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों, कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक कार्यों की व्यापक समीक्षा की गई। साथ ही प्रदेश के अन्य जिलों के अधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी संवाद कर योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि अंतिम व्यक्ति तक उनका लाभ पहुंचाना है। इसके लिए प्रशासन को अधिक सक्रिय, संवेदनशील और परिणामोन्मुखी बनना होगा। उन्होंने कहा कि सुशासन तभी सार्थक होगा जब आम नागरिक को उसकी समस्या के समाधान के लिए भटकना न पड़े। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री हेल्पलाइन को एक मजबूत और भरोसेमंद मंच के रूप में विकसित कर रही है, जहां नागरिक अपनी शिकायतें सरलता से दर्ज करा सकेंगे। हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों की निगरानी सीधे उच्च स्तर पर की जाएगी, जिससे अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित होगी और शिकायतों का समयबद्ध निराकरण संभव हो सकेगा।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन प्रशासन और जनता के बीच की दूरी कम करने का एक प्रभावी माध्यम बनेगी तथा यह सुनिश्चित करेगी कि शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक बिना किसी बाधा के पहुंचे।

राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण पर विशेष जोर

मुख्यमंत्री ने समीक्षा के दौरान राजस्व विभाग के कार्यों को विशेष प्राथमिकता देते हुए कहा कि समय-सीमा से बाहर और एक वर्ष से अधिक समय से लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन एवं अभिलेख सुधार जैसे मामले सीधे आम जनता के जीवन और अधिकारों से जुड़े होते हैं, इसलिए इनके निराकरण में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने राजस्व अभिलेखों में त्रुटियों के सुधार तथा जानबूझकर गलतियां करने वाले पटवारियों एवं संबंधित कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए।

सुशासन तिहार का सकारात्मक प्रभाव दिखाई दे रहा

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यभर में आयोजित सुशासन तिहार के माध्यम से शासन और जनता के बीच संवाद मजबूत हुआ है तथा लोगों को योजनाओं का लाभ तेजी से मिल रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनसेवा को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता मानते हुए प्रत्येक शिकायत और आवेदन का गंभीरता से निराकरण करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता के प्रति संवेदनशीलता और जवाबदेही प्रशासनिक व्यवस्था की आत्मा है। अधिकारियों को यह समझना होगा कि जनसमस्याओं का समाधान करना केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है।

पेयजल, स्वास्थ्य और मानसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा

ग्रीष्मकालीन परिस्थितियों को देखते हुए मुख्यमंत्री ने सभी जिलों में पेयजल आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की और नागरिकों को पर्याप्त एवं नियमित पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु प्रारंभ होने के साथ मौसमी बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है, इसलिए स्वास्थ्य विभाग आवश्यक दवाइयों, चिकित्सा दलों और संसाधनों की अग्रिम तैयारी सुनिश्चित करे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, यह प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए।

ईंधन की उपलब्धता पर्याप्त, अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील का उल्लेख करते हुए डीजल एवं पेट्रोल के विवेकपूर्ण उपयोग की आवश्यकता बताई। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य में डीजल और पेट्रोल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है तथा किसी प्रकार की कमी नहीं है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ईंधन संकट संबंधी अफवाहें फैलाने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए।

किसानों को खाद-बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश

आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने खाद एवं बीज के भंडारण और वितरण व्यवस्था की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि किसानों को समय पर पर्याप्त मात्रा में खाद-बीज उपलब्ध कराया जाए। डीएपी उर्वरक की सीमित उपलब्धता को देखते हुए मुख्यमंत्री ने किसानों को एसएसपी, यूरिया, नैनो यूरिया तथा नैनो डीएपी जैसे वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग के प्रति जागरूक करने पर विशेष जोर दिया।

ड्रोन दीदी योजना से बढ़ेगी महिलाओं की आय

महिला सशक्तिकरण की दिशा में कार्यों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने अधिक संख्या में 'ड्रोन दीदी' तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण और वित्तीय सहायता प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जाए। इससे कृषि क्षेत्र में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा मिलेगा और महिलाओं की आय में भी वृद्धि होगी।

प्रधानमंत्री आवास, सूर्य घर योजना और आयुष्मान भारत की समीक्षा

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, आयुष्मान भारत योजना, जल जीवन मिशन, बिहान योजना तथा धान उठाव की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के माध्यम से अधिक से अधिक परिवारों को लाभान्वित किया जाए ताकि ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ सके। आयुष्मान भारत योजना की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि केवल कार्ड बनाना पर्याप्त नहीं है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com